आषाढ़ कृष्ण - 3 | संवत 2082 | वर्ष - 12 | अंक - 315 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » शनिवार » 14-06-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 फिर से मौका मिलने पर भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं : नायर

6 स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बनें

7 'वसुधा' में राजस्थानी दुल्हन बनी मनदीप कौर

फर्स्ट टेक

रूस ने ईरान पर इजराइली हमले को 'अकारण' बताया

मॉस्को/भाषा। रूस ने शुक्रवार को ईरान पर इजरायल के ''अकारण'' हवाई हमलों की कड़ी निंदा की और क्षेत्र में तनाव के ''खतरनाक ढंग से बढ़ने'' पर बड़ी चिंता व्यक्त की। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य परिसर पर हमला करने के लिए 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया। इस हमले में प्रमुख सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''हम पश्चिम एशिया में तनाव के ख़तरनाक ढंग से बढ़ने पर बड़ी चिंता व्यक्त करते हैं। हम 13 जून की रात को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए इज़राइल द्वारा की गयी सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं।'' उसने कहा है कि एक संप्रभु संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश, उसके नागरिकों, शांतिपूर्ण शहरों और परमाणु ऊर्जा अवसंरचना सुविधाओं के खिलाफ अकारण सैन्य हमले स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य हैं।

राजग के दो उम्मीदवार असम से निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए

गुवाहाटी/भाषा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के दो उम्मीदवार भाजपा के कणाद पुरकायस्थ और असम गण परिषद के बीरेंद्र प्रसाद बैश्य असम से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिए गए हैं। शुक्रवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने राज्यसभा चुनाव के लिए कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि बृहस्पतिवार थी। अधिकारी ने कहा, भाजपा के कणाद पुरकायस्थ और असम गण परिषद (एजीपी) के बीरेंद्र प्रसाद बैश्य को राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है, क्योंकि विपक्ष का कोई उम्मीदवार नहीं है। दोनों राज्यसभा सीट के लिए चुनाव 19 जून को होने थे।

भारत ने श्रीलंका तक जाने वाली नौका सेवा के लिए वित्त पोषण बढ़ाया

कोलंबो/भाषा। भारत ने उत्तरी श्रीलंका के कांकेसंथुराई और तमिलनाडु के नागपट्टनम के बीच यात्री नौका सेवा योजना के लिए 30 करोड़ श्रीलंकाई रुपए की वित्तीय सहायता को एक और वर्ष बढ़ाने का फैसला किया है। भारतीय उच्चायोग ने कहा, वित्तीय सहायता में विस्तार क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता के अनुरूप है। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि वार्षिक रूप से 30 करोड़ श्रीलंकाई रुपए की इस मदद का उद्देश्य पिछले वर्ष की तरह ही प्रमुख रसद और परिचालन लागतों को पूरा कर सेवा की सामर्थ्य व परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करना है।

सूर्यास्त 14-06-2025	सूर्योदय 15-06-2025
6:35 बजे	5:42 बजे

BSE	NSE
81,118.60	24,718.60
(-573.38)	(-169.60)

सोना	चांदी
10,441 रु.	120,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौन है जिम्मेदार

शोकाभिव्यक्ति हो गया चलन,
क्इयों को नहीं जरा भी भान।
नेता गंभीर किये चेहरा,
दे देते बस कोरे बयान।
बोलो है जिम्मेदार कौन,
खोलो ना इस पर भी जुबान।
कब तक मारे जायेंगे यूं,
निर्दोष और मासूम इंसान।।

इजराइल ने ईरान के परमाणु स्थलों, शीर्ष सैन्य अफसरों पर हमला किया

■ ईरान ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ ईरान के लगभग 100 ठिकानों पर शुरुआती हमले में लगभग 200 विमान शामिल थे।

■ इजराइल की जासूसी एजेंसी मोसाद ईरान के अंदर समय से पहले विस्फोटक ड्रोन तैनात करने और फिर उन्हें तेहरान के पास ईरानी बेस पर मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाने के लिए सक्रिय करने में भी सक्षम रही।

दुबई/एपी। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु और सैन्य ढांचे पर युद्धक विमानों और तस्करी करके लाए गए ड्रोनों से भीषण हमले किये ताकि प्रमुख प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सके और शीर्ष जनरलों एवं वैज्ञानिकों को मारा जा सके।

इजराइल ने कहा कि यह हमला उसके प्रतिद्वंद्वी के परमाणु हथियार बनाने के और करीब पहुंचने से पहले जरूरी था।

इन हमलों से पश्चिम एशिया के दो धुर विरोधी देशों के बीच व्यापक युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

ईरान ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल पर ड्रोन हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने हमले के बाद कहा कि इजराइल को कड़ी सजा दी जाएगी।

एक दिन पहले ही संयुक्त राष्ट्र के परमाणु नियामक ने ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के लिए निर्धारित दायित्वों का पालन न करने के लिए फटकार लगाई थी।

इजराइल लंबे समय से इस तरह के हमले की धमकी देता रहा है तथा अमेरिकी प्रशासन इसे रोकने का प्रयास करता रहा है, क्योंकि उसे डर है कि इससे पश्चिम एशिया में व्यापक संघर्ष भड़क जाएगा तथा संभवतः ईरान के बिखरे हुए तथा मजबूत परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने में यह अप्रभावी होगा लेकिन हमास के सात अक्टूबर, 2023 के हमले और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव से उत्पन्न घटनाक्रम के कारण ऐसी स्थितियां बनीं जिससे इजराइल को अंततः अपनी धमकियों पर अमल करने का मौका मिल गया।

अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि इजराइल ने ट्रंप प्रशासन को बताया था कि बड़े पैमाने पर हमले होने वाले हैं।

बुधवार को अमेरिका ने

प्रधानमंत्री ने विमान हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अहमदाबाद में उस जगह पहुंचे जहां बृहस्पतिवार को एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। इस दुर्घटना में विमान में सवार 241 लोगों समेत 265 की मौत हो गई। प्रधानमंत्री ने विमान हादसे में घायल हुए लोगों से भी मुलाकात की।

विमान हादसे में मारे गए लोगों में से छह की शिनाख्त करने के बाद शुक्रवार को उनके शव उनके परिजनों को सौंप दिये गये।

बृहस्पतिवार को हुए हादसे के बाद 265 शवों को पोस्टमार्टम के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल भेजा गया था। एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से केवल छह की शिनाख्त हो पाई क्योंकि उनके चेहरे पहचाने जा सकने की हालत में थे। उन्होंने बताया कि अन्य शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान कर पाना मुश्किल है इसलिए उनकी शिनाख्त के लिए डीएनए जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सुबह यहां सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे पर पहुंचे और वहां से सीधे मेघाणी नगर इलाके में दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने करीब 20 मिनट दुर्घटना स्थल का मुआयना करते हुए बिताए। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने प्रधानमंत्री को विमान के मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त होने के बारे में जानकारी दी।

उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेतन्याहू से की बातचीत शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली पर जोर दिया

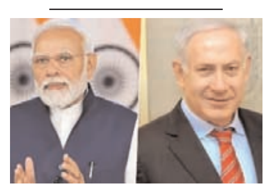

नई दिल्ली/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर पश्चिम एशिया में उभरते हालात की जानकारी दी। मोदी ने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर बल दिया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया। उन्होंने मुझे मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। मैंने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया। इजराइल ने शुक्रवार की सुबह ईरान पर हमला किया जिसमें शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए और परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिससे पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

ईरान समझौता करे या विनाश का सामना करे : ट्रम्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह परमाणु समझौता करने पर राजी हो या विनाश का सामना करने के लिए तैयार रहे। ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा,ईरान को समझौता करना होगा, वरना कुछ नहीं बचेगा।

ईरान के कट्टरपंथी नेताओं को समझौते पर पहुंचने की जरूरत है,नहीं तो उन्हें विनाश का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल'पर लिखा,मैंने ईरान को समझौता करने के लिए एक के बाद एक मौका दिया लेकिन उसने बात नहीं मानी।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर समझौता नहीं करता है तो विनाश जारी रहेगा। उन्होंने लिखा, अब भी समय है कि इस कत्लेआम और विनाश को रोकने के लिए समझौता किया जाये। ईरान को समझौता करना होगा, वरना कुछ नहीं बचेगा।

तमिल संस्कृति की प्राचीनता को भाजपा ने खारिज किया : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विश्वसनीय साक्ष्य के बिना पौराणिक सरस्वती सभ्यता को बढ़ावा दिया, लेकिन तमिल संस्कृति की प्राचीनता को खारिज कर दिया। स्टालिन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कीझाड़ी में खुदाई पर कार्बन उम्र निर्धारण पद्धति से निर्धारित पुरातन कलाकृतियां और अंतराष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की 'एक्सेलेरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री' (एएमएस) रिपोर्ट पेश किए जाने के बावजूद वे अधिक सबूत मांग कर रहे हैं। और सबूत यहां है।''

स्टालिन ने कहा कि लेकिन इसके विपरीत प्रतिष्ठित इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के कड़े विरोध के बावजूद भाजपा ने पौराणिक सरस्वती सभ्यता को बढ़ावा देना जारी रखा है। उन्होंने कहा कि वे (भाजपा नेता) ऐसा बिना किसी विश्वसनीय सबूत के करते हैं, जबकि तमिल संस्कृति की प्राचीनता को पूरी तरह से खारिज करते हैं।

स्टालिन ने कहा कि जब बात कीझाड़ी और तमिल विरासत की स्थायी सच्चाई की आती है, तो भाजपा-आरएसएस का तंत्र पीछे हट जाता है, इसलिए नहीं कि सबूतों का अभाव है, बल्कि इसलिए कि सच्चाई उनकी पटकथा के अनुकूल नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने अपने इतिहास को उजागर करने के लिए सदियों तक संघर्ष किया है। वे इसे मिटाने के लिए हर दिन संघर्ष करते हैं। दुनिया देख रही है। समय भी देख रहा है। कीलाड़ी।''

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की टिप्पणी पर स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार तमिल लोगों की प्राचीनता को छिपाने और नष्ट करने की कोशिश कर रही है। शेखावत ने कहा था कि शिवगंगा जिले के कीलाड़ी में एक प्राचीन सभ्यता पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के निष्कर्षों को स्वीकार्य बनाने के लिए और अध्ययन की जरूरत है।

आईएमईईसी का वैश्विक संपर्क पर गहरा प्रभाव पड़ेगा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भले ही आईएमईईसी अभी पूरी तरह अस्तित्व में नहीं आया है, फिर भी यूरोप को भारत के पश्चिमी तट तक काफी सुगम और कुशल पहुंच प्राप्त है, यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा समुद्री व्यापार पर जारी खतरे के बावजूद।

मार्सेय (फ्रांस)/भाषा। संपर्क को कूटनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि एक बार पूरा हो जाने पर आईएमईईसी, यूरोप से लेकर प्रशांत महासागर तक महत्वपूर्ण भूमि और समुद्री संपर्क प्रदान करेगा।

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईईसी) में दो अलग-अलग गलियारे होंगे, पूर्वी गलियारा भारत को खाड़ी देशों से जोड़ेगा और उत्तरी गलियारा खाड़ी देशों को यूरोप से जोड़ेगा।

जयशंकर ने यहां पहले 'रायसीना मेडिटेरेनियन 2025' में एक परिचर्चा में जितने अधिक विकल्पों और विविधताओं के साथ संभव हो सके भूमि, समुद्री और हवाई संपर्क की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा, आज के दौर में संपर्क (कनेक्टिविटी) की पहलें कूटनीति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भले ही आईएमईईसी अभी पूरी तरह अस्तित्व में नहीं आया है, फिर भी यूरोप को भारत के पश्चिमी तट तक काफी सुगम और कुशल पहुंच प्राप्त है, यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा समुद्री व्यापार पर जारी खतरे के बावजूद। उन्होंने कहा, हम रेलवे में बहुत बड़ा निवेश कर रहे हैं और पूर्वी भारत को वियतनाम तक जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने श्रोताओं को स्वेज नहर को बनने में लगे वक्त की याद दिलाते हुए कहा, लेकिन एक बार जब यह बन गयी, तो आप देख लें कि इसका दुनिया पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा है। इसलिए वास्तव में, अगर हम इसे (आईएमईईसी) पूरा कर पाते हैं, तो आपको यूरोप से प्रशांत महासागर तक एक मार्ग मिल जाएगा, जो काफी हद तक भूमि आधारित होगा, लेकिन आंशिक रूप से समुद्र आधारित होगा। उन्होंने कहा, और कुछ मायनों में, जब भी आर्कटिक खुलेगा, यह आर्कटिक पर निर्भरता का जवाब होगा। संपर्क का खेल दीर्घकालिक है।

अहमदाबाद दुर्घटनास्थल से 265 लोगों के शव बरामद

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये 265 लोगों के शव अब तक बरामद किये गये हैं जबकि 47 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक वरिष्ठ पुसिस अधिकारी ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि दुर्घटना स्थल से अब तक 265 शव बरामद कर लिये गये हैं और उनकी पहचान का काम जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक मृतकों 219 रिश्तेदार डीएनए जांच और रक्त के नमूने देने के लिए आ चुके हैं और उनके नमूने लिए जा चुके हैं। बाकी के परिवारों से इस संबंध में संपर्क किया जा चुका है। नमूने लेने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीस घंटे ड्यूटी पर हैं। दुर्घटना में घायल 47 लोगों को सिविल अस्पताल लाया गया था। इनमें से 16 का उपचार बाह्य रोगी के रूप में और 31 का उपचार अस्पताल में रख कर किया जा रहा है। इस त्रासदी में गुरुवार को अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में चालक दल के 12 सदस्यों सहित 242 लोग थे।

सिद्दरामय्या ने 16वें वित्त आयोग से केंद्रीय करों में अधिक हिस्सा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ केंद्र विभिन्न वस्तुओं पर उपकर और अधिभार लेता है। इसमें हमारा कोई हिस्सा नहीं है। इसे भारत सरकार रखती है। यदि वे पांच प्रतिशत से अधिक एकत्र करते हैं तो इसे विभाज्य पूल के अंतर्गत आना चाहिए।

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया से मुलाकात की और एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए केंद्रीय करों से राज्य के लिए अधिक आवंटन मांगा। सिद्दरामय्या ने नई दिल्ली में बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''बैठक बहुत सौहार्दपूर्ण रही और चेयरमैन हमारी मांगों के प्रति बहुत सकारात्मक थे। मैंने केंद्रीय करों से राज्य को अधिक आवंटन की मांग करते हुए एक अतिरिक्त ज्ञापन सौंपा है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि केंद्र का उपकर और अधिभार संग्रह पांच प्रतिशत से अधिक हो जाता है तो इसे विभाज्य पूल के अंतर्गत लाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''केंद्र विभिन्न वस्तुओं पर उपकर और अधिभार लेता है। इसमें हमारा कोई हिस्सा नहीं है। इसे भारत सरकार रखती है। यदि वे पांच प्रतिशत से अधिक एकत्र करते हैं तो इसे विभाज्य पूल के अंतर्गत आना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि आयोग एक संवैधानिक निकाय है और उन्होंने चेयरमैन से अनुरोध किया कि वह किसी भी राज्य के साथ अन्याय न करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15वें वित्त आयोग (2021-26) के तहत केंद्रीय कर राजस्व में कर्नाटक का हिस्सा काफी कम होकर 3.64 प्रतिशत रह गया, जो 14वें वित्त आयोग की अवधि (2015-20) के दौरान 4.%1 प्रतिशत था। केंद्रीय करों से सभी राज्यों को आवंटित कुल हिस्सा 2021-26 के लिए घटाकर 41 प्रतिशत कर दिया गया, जबकि इसके पहले यह 42 प्रतिशत था। ऐसा मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के चलते हुए। इसके कारण कर्नाटक के कर आवंटन में प्रतिशत और वास्तविक रूप में गिरावट आई। वित्त आयोग को 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी सिफारिशें देनी हैं।

एअर इंडिया चालक दल की सदस्य लामनुनथेम परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थी

अहमदाबाद विमान दुर्घटना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/कांगपोकपी/भाषा। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए मणिपुर के दो चालक दल के सदस्यों में से एक लामनुनथेम सिंगसन (26) अपने परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थीं। उनके परिवार को पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा का दंश झेलना पड़ा था। सिंगसन के एक रिश्तेदार ने शुक्रवार को बताया कि उसने आखिरी बार अपनी विधवा मां से 11 जून को फोन पर बात की थी। उन्होंने बताया कि सिंगसन ने अपनी मां से कहा था कि उसे बृहस्पतिवार को लंदन के लिए उड़ान भरनी है और इसीलिए रात को जल्दी सोना चाहती है।

रिश्ते में सिंगसन के भाई लुन किपगेन ने कहा कि चार भाई-बहनों में तीसरी संतान, सिंगसन परिवार की एकमात्र बेटी थी और उनकी विधवा मां ने उन सभी को पालने के लिए बहुत संघर्ष किया था। किपगेन ने पीटीआई-भाषा को बताया, 26 वर्षीय सिंगसन परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थी। उसका सबसे बड़ा भाई बेरोजगार है और एक गंभीर बीमारी से पीड़ित है, जबकि दो अन्य भाई पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अस्वस्थ होने के बावजूद उनके सबसे बड़े भाई अहमदाबाद के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि एक अन्य भाई और एक अन्य रिश्तेदार कांगपोकपी से नगालैंड के दीमापुर गए हैं तथा वे वहां से अहमदाबाद जाएंगे। किपगेन ने कहा, हम इस खबर से स्तब्ध हैं। उसकी मां गहरे सदमे में है और दुर्घटना की खबर सामने आने के बाद से उन्होंने कुछ नहीं खाया है। उन्होंने दावा किया कि एअर इंडिया के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार देर रात सिंगसन के परिवार को फोन किया और बताया कि उसके शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। सिंगसन उन 242 लोगों में शामिल थी जो एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 में सवार थे, जो बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

उन्होंने कहा, सिंगसन ने बुधवार रात करीब 11 बजे अपनी मां से आखिरी बार बात की थी। उसने कहा था कि वह अगले दिन लंदन के लिए उड़ान भरेगी और जितनी जल्दी हो सके सोना चाहती है, क्योंकि उसे बृहस्पतिवार को जल्दी ड्यूटी पर पहुंचना था। सिंगसन और उसकी मां ने फोन पर नियमित प्रार्थना की। वे सोने से पहले नियमित रूप से फोन पर संयुक्त रूप से प्रार्थना करते थे।

सदमे में मृतकों के परिवार और दोस्त, नहीं हो रहा विश्वास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के पायलटों में से एक कैप्टन सुमीत सभरवाल के एक पारिवारिक मित्र ने उन्हें (हाउसिंग) सोसाइटी का एक अच्छा सदस्य बताते हुए उनकी मृत्यु पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस खबर पर विश्वास नहीं हो रहा है। कैप्टन सभरवाल बृहस्पतिवार को हुए हादसे में जान गंवाने वाले 265 लोगों में शामिल हैं।

बृहस्पतिवार दोपहर को 230 यात्रियों और चालक दल के 12 सदस्यों को लेकर अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) एक मेडिकल कॉलेज के परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। सभरवाल अपने पिता पुष्करराज के साथ मुंबई के पवई इलाके में रहते थे। पुष्करराज पहले नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में काम कर चुके हैं। पारिवारिक मित्र विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) संजय पई ने सभरवाल को सोसाइटी का एक अच्छा सदस्य बताया और कहा कि हर कोई उनके निधन की खबर से स्तब्ध है। पई ने कहा, जब सोसाइटी के सदस्यों को कल उनकी मौत के बारे में पता चला तो हम सभी सदमे में आ गए। कई लोग उनके परिवार से मिलने आए। विश्वास करना कठिन है कि वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। दुर्घटना में जान गंवाने वाले चालक दल के सदस्यों में से एक दीपक पाठक ठाणे जिले के बदलापुर के रहने वाले थे, लेकिन हाल ही में वह अपने दैनिक आवागमन को आसान बनाने के लिए घाटकोपर चले गए थे। एक पारिवारिक मित्र ने कहा कि पाठक एक समर्पित पेशेवर थे, जिन्होंने विमानन क्षेत्र में एक दशक से अधिक समय तक सेवा की। उन्होंने कहा, दीपक ने इस क्षेत्र में करीब 11 साल तक काम किया।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : 11ए सीट के यात्री ने मौत को दी मात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद में बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमान में इकॉनोमी श्रेणी की 238 सीट में से केवल 11ए ऐसी सीट रही, जिस पर बैठे व्यक्ति की जान बच गई जबकि विमान में सवार कुल 241 यात्रियों की मौत हो गई।

दुर्घटना में जीवित बचे ब्रिटिश नागरिक विश्वाश कुमार रमेश (45) सीट संख्या 11ए पर बैठे थे। बोइंग 787-8 विमान को ड्रीमलाइनर के नाम से जाना जाता है। इसकी, अहमदाबाद से लंदन जा रही उड़ान संख्या एआई171 में चालक दल के 12 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। सीट मैप के अनुसार, '11ए' सीट एअर इंडिया के बी787-8 विमानों की इकोनॉमी क्लास की पहली पंक्ति की छह सीटों में से एक है। यह आपातकालीन निकास द्वार के पास मौजूद खिड़की वाली सीट है। हालांकि अभी यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि रमेश को आग की चपेट में आए विमान से बाहर निकलने में किन कारणों से मदद मिली, लेकिन आपातकालीन निकास द्वार के पास बैठा होना उनके चमत्कारिक रूप से बच निकलने का एक कारण हो सकता है। फिलहाल एअर इंडिया के बेड़े में 27 बी787-8 विमान हैं और प्रत्येक में 238 इकॉनमी तथा 18 बिजनेस क्लास सीट होती है। इन सभी विमानों को आने वाले महीनों में 'रेट्रोफिट' (नयी सुविधाओं से लैस)किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को रमेश से मुलाकात करने और दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा, अच्छी खबर यह है कि दुर्घटना में एक व्यक्ति बच गया...।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, विमान ने रनवे 23 से 13:39 बजे अहमदाबाद से उड़ान भरी थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि उड़ान भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक को एक 'मेडे कॉल' दिया गया था, लेकिन उसके बाद हवाई यातायात नियंत्रक की ओर से की गई कॉल का विमान से कोई जवाब नहीं मिला। रनवे 23 से प्रस्थान करने के तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे की परिधि के बाहर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस : अंबानी

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की शुक्रवार को पेशकश की।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अंबानी ने बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं। उन्होंने कहा, हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। दुख की इस घड़ी में, रिलायंस राहत प्रयासों में पूर्ण समर्थन देता है। हम हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। अंबानी ने कहा, ''हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति मिले। ओम शांति।''

भारतीय मूल की दंत चिकित्सक निराली विमान हादसे में जान गंवाने वाली एकमात्र कनाडाई नागरिक थीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओटावा/भाषा। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में जान गंवाने वालों में भारतीय मूल की दंत चिकित्सक निराली पटेल भी शामिल हैं, जोकि इस उड़ान में एकमात्र कनाडाई नागरिक थीं। सीटीवी न्यूज टोरंटो ने बृहस्पतिवार को बताया कि टोरंटो के एटोबिकोक में रहने वाली 32 वर्षीय निराली पटेल भारत में 'एक सामाजिक यात्रा' से कनाडा वापस जा रही थीं, लेकिन दुर्घटना का शिकार हो गईं। इसमें कहा गया कि निराली के पति अपने एक वर्षीय बच्चे के साथ भारत जाने की योजना बना रहे हैं। निराली के परिवार को जानने वाले समुदाय के नेता डॉन पटेल ने सीटीवी न्यूज को बताया, यह बिल्कुल चौंकाने वाला है। इस पीड़ा को व्यक्त करने के लिए कोई शब्द नहीं है।''

निराली चार या पांच दिन के लिए भारत आई थीं। डॉन ने कहा कि उसके माता-पिता, भाई और भाभी ब्रैम्पटन में रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने खबर सुनी तो निराली के भाई से कुछ देर बात की और वह सदमे में थे और ज्यादा बात नहीं कर पा रहा थे।

खबर के अनुसार निराली मिसिसॉगा डेंटल क्लिनिक में काम करती थीं। उन्होंने 2016 में भारत में अपनी दंत चिकित्सा की डिग्री हासिल की और उसके बाद 2019 में कनाडा में अपना लाइसेंस प्राप्त किया। ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड ने दुखद दुर्घटना में निराली पटेल के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की।

दस मिनट की देरी से एअर इंडिया की उड़ान में चढ़ने से रह गईं भूमि भगवान का शुक्रिया अदा कर रहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत आई ब्रिटेन की रहने वाली भूमि चौहान, अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुई एअर इंडिया की उड़ान छूटने पर भगवान और अपने भाग्य का शुक्रिया अदा कर रही हैं जो भारी ट्रैफिक में फंसने की वजह से हवाई अड्डे पर देरी से पहुंची थीं। भूमि ने कहा कि वह लंदन जाने वाली उड़ान संख्या एआई 171 में सवार होने से सिर्फ 10 मिनट से चूक गईं।

एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार दोपहर सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वह दो साल पहले ब्रिटेन में बसने के बाद पहली बार अहमदाबाद आई थीं।

भूमि ने रिपब्लिक टीवी से कहा, ''जब से मुझे दुर्घटना के बारे में पता चला है, मैं कांप रही हूं। मैं दोपहर 1.30 बजे हवाई अड्डे से निकली, क्योंकि यातायात के कारण मेरी फ्लाइट छूट गई थी। मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं।'' उन्होंने कहा कि वह छुट्टियों के लिए भारत आई थीं और बृहस्पतिवार की उड़ान से लंदन वापस जाने वाली थीं, जिसने दोपहर 1.39 बजे उड़ान भरी और अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

भूमि ने कहा, ''उड़ान समय पर थी और मैं इससे चूक गई.... मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं। विमान में सवार सभी लोगों के लिए मेरी प्रार्थनाएं।''

रूपाणी का भाग्यशाली अंक 1206 बन गया उनकी अंतिम यात्रा की तारीख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी 1206 को अपना भाग्यशाली अंक मानते थे और उन्होंने वर्षों से अपने सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन नंबर यही रखा था। यह अंक अब भारत के इतिहास की सबसे भयावह विमान दुर्घटनाओं में से एक का पर्याय बन गया है, जिसमें बृहस्पतिवार को रूपाणी और 264 अन्य लोगों की जान चली गई।

रूपाणी लंदन जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान में सवार 242 लोगों में शामिल थे, जो सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद मेघाणी नगर इलाके में एक मेडिकल कॉलेज और छात्रावास की इमारत से टकरा गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री 1206 को अपना भाग्यशाली अंक मानते थे, लेकिन अब 12 जून (12/06) की तारीख उनकी अंतिम यात्रा की तारीख बन गई। रूपाणी के गृहनगर राजकोट के लोग उनकी कार के नंबर 1206 से पहचान लेते थे। राजकोट के लोगों और पत्रकारों के अनुसार, रूपाणी के स्कूटर और कारों पर एक ही नंबर था। रूपाणी लंदन में बेटी के घर जा रहे थे जहां उनकी पत्नी अंजलिबेन पहले से हैं। वह भी भाजपा की सक्रिय सदस्य हैं। अंजलिबेन शुक्रवार की सुबह गांधीनगर पहुंचीं। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने बृहस्पतिवार को विमान दुर्घटना में रूपाणी की मौत की पुष्टि की। 68 वर्षीय नेता अपने शांत स्वभाव और दृढ़ प्रशासनिक शैली के लिए जाने जाते थे।

जान गंवाने वाले 10 लोग महाराष्ट्र के, ज्यादातर चालक दल के सदस्य

मुंबई/भाषा। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान में सवार कम से कम 10 लोग महाराष्ट्र के थे जिनमें एक पायलट और चालक दल के सदस्य भी शामिल थे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार दोपहर 230 यात्रियों और चालक दल के 12 सदस्यों को लेकर लंदन जा रहा बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज के परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना में एक व्यक्ति बाल-बाल बच गया जबकि विमान में सवार 241 लोग मारे गए और इनमें से 10 महाराष्ट्र के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि विमान के पायलट कैप्टन सुमित पुष्करराज सभरवाल (56) मुंबई के पवई इलाके के जल वायु विहार के निवासी थे और अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ रहते थे।

दुर्घटना में आगरा का एक दंपत्ति भी शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों में उत्तरप्रदेश के आगरा का एक दंपत्ति भी शामिल है। दुर्घटना के बाद आगरा से परिवार के सदस्य अहमदाबाद पहुंच रहे हैं। मृतकों के परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। नीरज के चचेरे भाई विनय लवानिया ने बताया कि विमान दुर्घटना में नीरज लवानिया (50) तथा उनकी पत्नी अपर्णा (49) की मृत्यु हो गई है। नीरज लवानिया एक निजी कंपनी में काम करते थे तथा गुजरात के वडोदरा में कार्यरत थे। वह 1995 में आगरा से वहां चले गये थे। उनका पैतृक घर आगरा के अकोला कस्बे में है, जहां उनके बड़े भाई सतीश लवानिया रहते हैं।

इस बीच, सतीश लवानिया ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मीडिया में अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बारे में 'ब्रेकिंग न्यूज' आ रही थी। मैंने अपने भाई नीरज से दोपहर डेढ़ बजे बात की तथा उन्होंने मुझे बताया कि वह विमान से लंदन जा रहे थे। वह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।'' सतीश अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। नीरज के परिवार में एक बेटी है। सतीश ने यह भी बताया कि उनकी भतीजी 'डीएनए सैंपलिंग' के लिए अहमदाबाद पहुंच गई है।

फतेहपुर सीकरी से लोकसभा सांसद राजकुमार चाहर ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैंने आगरा के अकोला शहर का दौरा किया था, जहां सतीश रहते हैं और उनके परिजनों को अहमदाबाद भेजने की व्यवस्था की। नीरज और उनकी पत्नी उड़ान में थे।

विमान दुर्घटना में कुरुक्षेत्र के बुजुर्ग दंपति की बेटी भी शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरुक्षेत्र/भाषा। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के रामसरन माजरा गांव निवासी बुजुर्ग दंपति की बेटी अंजू शर्मा (55) भी बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में सवार थी। अंजू, अपनी बड़ी बेटी से मिलने के लिए लंदन जा रही थी। हालांकि अब अंजू की बेटी ही अहमदाबाद पहुंच रही है। लंदन जा रहे एअर इंडिया के विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी।

अंजू के चाचा बालकिशन शर्मा ने शुक्रवार को फोन पर पीटीआई-भाषा' को बताया कि अंजू के माता-पिता को अब तक इस दुर्घटना के बारे में नहीं बताया गया है, क्योंकि परिजनों को डर है कि वे इस सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। उन्होंने बताया, मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं अपने भाई को यह दुखद समाचार कैसे बताऊं्। लेकिन हम इसे ज्यादा समय तक छिपा नहीं सकते...।

बालकिशन ने बताया कि नब्बे के दशक में अंजू की पटियाला में शादी हुई और बाद में वह वहां से वडोदरा में बस गई। उन्होंने बताया कि अंजू के दिवंगत पति एक इंजीनियर थे, जो तेल उद्योग में काम करते थे।

बालकिशन ने बताया, अंजू के भाई मिलन शर्मा और उनकी छोटी बेटी वडोदरा में रहते हैं। अंजू पिछले महीने अपने माता-पिता के गांव आई थीं, क्योंकि पिछले कुछ समय से बीमार उनके पिता बिस्तर पर है। अंजू के पिता सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं बालकिशन ने बताया कि अंजू करीब दो सप्ताह तक वहां रहीं।

अंजू को स्नेही और दयालु बताते हुए उनकी बहन नीलू ने कहा कि वह पूरे परिवार का आधार थीं। उन्होंने बताया, इस घटना ने हमें अंदर से तोड़ कर रख दिया है। गांव में रहने वाले अंजू के परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने बताया कि विमान दुर्घटना की खबर सुनकर वे सदमे में हैं।

आईएमईईसी का वैश्विक संपर्क पर गहरा प्रभाव पड़ेगा : जयशंकर

मार्सेय (फ्रांस)/भाषा। संपर्क को कूटनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि एक बार पूरा हो जाने पर आईएमईईसी, यूरोप से लेकर प्रशांत महासागर तक महत्वपूर्ण भूमि और समुद्री संपर्क प्रदान करेगा। भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईईसी) में दो अलग-अलग गलियारे होंगे, पूर्वी गलियारा भारत को खाड़ी देशों से जोड़ेगा और उत्तरी गलियारा खाड़ी देशों को यूरोप से जोड़ेगा।

जयशंकर ने यहां 'रायसीना मेडिटेरेनियन 2025' के उद्घाटन समारोह में एक परिचर्चा में जितने अधिक विकल्पों और विविधताओं के साथ संभव हो सके भूमि, समुद्री और हवाई संपर्क की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा, आज के दौर में संपर्क (कनेक्टिविटी) की पहलें कूटनीति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भले ही आईएमईईसी अभी पूरी तरह अस्तित्व में नहीं आया है, फिर भी यूरोप को भारत के पश्चिमी तट तक काफी सुगम और कुशल पहुंच प्राप्त है, यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा समुद्री व्यापार पर जारी खतरे के बावजूद। उन्होंने कहा, हम रेलवे में बहुत बड़ा निवेश कर रहे हैं और पूर्वी भारत को वियतनाम तक जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

वायुसेना के अपाचे हेलीकॉप्टर की पठानकोट में 'एहतियाती लैंडिंग' की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर ने शुक्रवार को नियमित उड़ान के दौरान पंजाब के पठानकोट जिले में ''एहतियाती लैंडिंग'' की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में मौजूद पायलट और सह-पायलट दोनों सुरक्षित हैं।

इससे पहले प्रसारित हुई तस्वीरों में दिख रहा है कि हेलीकॉप्टर पठानकोट जिले में ''एहतियाती लैंडिंग'' के बाद खेत में खड़ा है। एक सूत्र ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने पठानकोट स्थित वायुसेना के हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और बाद में पायलट और सह-पायलट दोनों इसे वापस पठानकोट हवाई अड्डा ले आए।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी का इंतजार है। इससे एक सप्ताह पहले भी भारतीय वायुसेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी समस्या के कारण उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में ''एहतियाती लैंडिंग'' करानी पड़ी थी। एक अधिकारी ने छह जून को बताया था कि 'एहतियाती लैंडिंग' के बाद सभी ज़रूरी जांच की गईं और हेलीकॉप्टर को इस्तेमाल के लायक पाया गया। उन्होंने बताया था कि पायलट और सह-पायलट दोनों ने इसे सहारनपुर के सरसावा वायुसेना अड्डे पर ले गए।

डीजीसीए ने एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों की सुरक्षा जांच बढ़ाने के आदेश दिये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े की सुरक्षा जांच बढ़ाने का शुक्रवार को आदेश दिया। यह आदेश अहमदाबाद में एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 241 लोगों की मौत होने के एक दिन बाद दिया गया है। डीजीसीए के विस्तृत निरीक्षण के तहत टाटा समूह के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान की विभिन्न प्रणालियों की जांच और 'टेक-ऑफ' (उड़ान भरने संबंधी) मापदंडों की समीक्षा की जाएगी।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और सात बोइंग 787-9 विमान हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एअर इंडिया को जीईएनएक्स इंजन से लैस अपने बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों पर अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करने का तत्काल प्रभाव से निर्देश दिया है। ये कार्रवाई डीजीसीए के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के समन्वय से की जाएंगी।

अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान बृहस्पतिवार दोपहर उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक व्यक्ति जीवित बचा। नियामक ने 15 जनवरी से बोइंग 787 विमानों की विभिन्न एकबारगी जांच के आदेश दिए हैं, जिनमें ईंधन मापदंड निगरानी एवं संबंधित प्रणाली जांच का निरीक्षण भी शामिल है। 'केबिन एयर कंप्रेसर' और संबंधित प्रणालियों का निरीक्षण, इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित प्रवर्तक-परिचालन परीक्षण और तेल प्रणाली जांच का भी आदेश दिया गया है। इसके अलावा, डीजीसीए ने हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवा क्षमता जांच और 'टेक-ऑफ' मापदंडों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। नियामक द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उड़ान नियंत्रण निरीक्षण को अगले आदेश तक पारगमन निरीक्षण में शामिल किया जाना है।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में गुरुवार को शाम मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की ओर से राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध विजयी हुए मक्कल नीधि मैयम के अध्यक्ष कमल हासन, वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन, एस.आर. शिवलिंगम, श्रीमती रोकैया मलिक (ए) और कवि सलमा को शॉल ओढ़ाकर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

निरीक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को तमिल विकास एवं सूचना मंत्री एम. देसामीनाथन, हिंदू धर्म एवं धर्मस्व मंत्री पी. के. शेखरबाबू ने तंडियारपेट–कामराजर नगर में स्टेशनरी एवं मुद्रण विभाग की ओर से सरकारी मुद्रण कार्यालय के कर्मचारियों के लिए नवनिर्मित आवासों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। इस अवसर पर ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन की मेयर आर. प्रिया, सांसद डॉ. कलानिथी वीरसाबी, विधान सभा के सदस्य आर. टी. शेखर, जे. जे. एबेनेजर, स्टेशनरी एवं मुद्रण आयुक्त वी. शोभनार, तमिल विकास एवं सूचना विभाग के सचिव वी. राजारामन आदि वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

‘मुरुगन भक्त सम्मेलन को लेकर घबराई द्रमुक सरकार’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा राज्य प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि आगामी 22 जून को मदुरै में होने जा रहे मुरुगन भक्त सम्मेलन को लेकर द्रमुक (डीएमके) सरकार में घबराहट है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन से आग्रह किया कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और द्रमुक सरकार को राजनीतिकरण बंद करने, मदुरै में विश्व मुरुगन भक्त सम्मेलन का निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने, आध्यात्मिक अधिकारों और संवैधानिक स्वतंत्रता को बनाए रखने का निर्देश देना चाहिए।

उन्होंने बताया कि मुरुगन भक्त सम्मेलन 22 जून को मदुरै में आयोजित होने वाला है, और इसकी तैयारियाँ जोरों पर हैं। इसे देखते हुए द्रमुक गठबंधन की पार्टियाँ जैसे डीएमके, कांग्रेस, वीसीके (विदुथलाई चिरुथैगल काची), सीपीआई(एम) और अन्य घबराई हुई हैं। उनकी घबराहट साफ तौर पर इस बात का संकेत है कि यह आयोजन कितनी बड़ी सफलता हासिल करने वाला है। लोगों को अब मुख्यमंत्री स्टालिन की हिंदू विरोधी पेरियारवादी द्रमुक, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की मिशनरी समर्थित हिंदू विरोधी डीएमके और विवादास्पद मंत्री शेखरबाबू की विदेशी धार्मिक, हिंदू–लक्ष्यित डीएमके की असली प्रकृति का एहसास हो गया है, जो सम्मेलन को बदनाम करना जारी रखते हैं। जनता मंदिर के धन का दुरुपयोग करके पलानी में सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे डीएमके के दुर्भावनापूर्ण इरादे को समझ गई है, जो

सब उनकी चुनावी राजनीति का हिस्सा है। अब लोगों के सामने यह स्पष्ट हो गया है कि डीएमके जानबूझकर तमिल समाज को विभाजित करने और हिंदू धर्म को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। परिणामस्वरूप, 22 जून को मदुरै में मुरुगन भक्तों का सम्मेलन होगा, जो न केवल तमिलनाडु से बल्कि पूरे भारत और दुनिया भर से मुरुगन भक्तों के जोशीले आत्म–आंदोलन से प्रेरित होगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद की जा रही है तमिलनाडु भर से 500,000 से ज़्यादा मुरुगन भक्त इस सम्मेलन में भाग लेंगे। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण समेत वरिष्ठ भाजपा नेता भी इसमें भाग लेने वाले हैं। उनकी भागीदारी के लिए तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं। मुरुगन भक्तों के सम्मेलन को विफल करने के प्रयास में, मक्कल अधिकारम, 17 मई आंदोलन, पेरियार द्रविड़ कझगम और द्रविड़ विदुथलाई कझगम जैसे संगठनों ने, जिन्हें कथित तौर पर डीएमके सरकार द्वारा उकसाया गया है, चेन्नई में डीजीपी कार्यालय में याचिकाएं प्रस्तुत की हैं, जिसमें सम्मेलन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है – जो एक और हिंदू विरोधी नाटक है। ये समूह सम्मेलन, हिंदू धर्म और हिंदू देवताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं, जिससे सामाजिक अशांति फैल रही है। इस बीच, पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। इसके अलावा, जब स्वयंसेवकों ने तमिलनाडु भर के मंदिरों में सम्मेलन के लिए निमंत्रण वितरित करने का प्रयास किया, तो पुलिस ने कथित तौर पर हस्तक्षेप किया और उन्हें रोक दिया। मुरुगन भक्तों को धमकाया और डराया जा रहा है। प्रसाद ने बताया कि यह सम्मेलन, जो मुरुगन भक्तों को राजनीतिक सीमाओं से परे एकजुट करता है, एक बड़ी सफलता होगी और हिंदू विरोधी ताकतों को एक मजबूत झटका देगा। तिरुप्परनकुंद्रम में आध्यात्मिक विद्रोह निश्चित रूप से आगामी 2026 के विधानसभा चुनावों में गूंजेगा।

पीएमके संस्थापक रामदास ने कहा, मैं आखिरी सांस तक पार्टी अध्यक्ष हूं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विल्लुपुरम/भाषा। पट्टालि मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक नेता एस रामदास ने शुक्रवार को कहा कि जब तक वह जीवित हैं, तब तक पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे। पीएमके की कमान संभालने को लेकर रामदास और उनके बेटे अंबुमणि के बीच विवाद खत्म होने का कोई संकेत नहीं मिलने के बीच अस्सी वर्षीय नेता (रामदास) ने आश्चर्य जताया कि अंबुमणि उन पर अपनी शर्तें कैसे थोप सकते हैं।

रामदास ने कहा कि इसका एकमात्र समाधान यह है कि अंबुमणि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के लिए सहमत हों और उनके दिशानिर्देशों का पालन करें। उन्होंने दोहराया कि उन्होंने पीएमके को तिनका–तिनका एककर खड़ा किया है। रामदास ने पत्रकारों को बताया कि अंबुमणि ने उन्हें आदेश दिया लेकिन सवाल यह है कि वह ऐसा कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अंबुमणि को देखा, तो उनका रक्तचाप बढ़ गया और यह वास्तव में सलेम की उनकी यात्रा के दौरान हुआ और डॉक्टरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। पीएमके संस्थापक ने कहा, उन्होंने (अंबुमणि ने) कहा कि मुझे कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए (धर्मपुरी/सलेम में पार्टी की बैठकों में) माइक्रोफोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए जबकि (उनसे) 200 से अधिक पार्टी कार्यकर्ता भी नहीं जुटाये जा सकते हैं। रामदास ने कहा, ''इसके अलावा, अगर पार्टी के लोग मुझसे मिलना चाहते हैं, तो वे मुझसे केवल मेरे कमरे (होटल के कमरे में जहां वह रुके थे) में मिल सकते हैं और यह भी उनका (अंबुमणि का) आदेश था। वह खुद पार्टी संस्थापक को निर्देश कैसे दे सकते हैं? मैंने उन्हें ऐसी शक्तियां नहीं दी हैं। मैं आखिरी सांस तक पीएमके अध्यक्ष हूं, संस्थापक और संस्थापक–अध्यक्ष हूं।''

गरुड़ एयरोस्पेस ने चेन्नई के पास कृषि-ड्रोन विनिर्माण संयंत्र लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ड्रोन विनिर्माता गरुड़ एयरोस्पेस ने कल–पुर्जों सहित अत्याधुनिक मानव रहित हवाई प्रणाली को डिजाइन और विनिर्माण के लिए शहर के पास एक कृषि–ड्रोन संयंत्र लगाया है। यह संयंत्र पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह संयंत्र अपनी तरह का पहला कदम है, जो चेन्नई के पास स्थित गरुड़ एयरोस्पेस की मौजूदा विनिर्माण इकाई की क्षमता को बढ़ाता है और ड्रोन विनिर्माण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। संयंत्र में विनिर्मित उत्पादों में सात उप–प्रणालियां (मानव रहित हवाई प्रणाली की), 33 कलपुर्जे शामिल हैं।

शहर के पास थलांबूर में 35,000 वर्ग फुट में फैले इस अत्याधुनिक संयंत्र का उद्घाटन बृहस्पतिवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने किया।

गरुड़ एयरोस्पेस ने देश भर में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग भागीदारों के सहयोग से स्थापित 300 उत्कृष्टता केंद्र भी शुरू किए हैं। यह ड्रोन नवाचार, अनुसंधान और कौशल विकास को बढ़ावा देगा। इस अवसर पर ड्रोन संचालन पर कौशल बढ़ाने के उद्देश्य से एक ट्रेन–द–ट्रेनर कार्यक्रम भी शुरू किया गया।

गरुड़ एयरोस्पेस के संस्थापक और सीईओ अग्निश्वर जयप्रकाश ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा, ''हमारी नई कृषि–ड्रोन स्वदेशी संयंत्र 33 से अधिक विभिन्न कलपुर्जों और सात उप–प्रणालियों के विनिर्माण के लिए पूरी तरह से सक्षम है। यह आत्मनिर्भरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।''

उन्होंने कहा, ''इन सभी प्रयासों और पहलों ने गरुड़ एयरोस्पेस को भारत के सबसे मूल्यवान ड्रोन स्टार्टअप में से एक बना दिया है, जिसकी वैश्विक उपस्थिति तेजी से बढ़ रही है।''

दुरई दयानिधि के खिलाफ ईडी की कार्रवाई, सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरी के बेटे दुरई दयानिधि के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बड़ा कदम उठाया है। उन पर ओलंपस ग्रेनाइट्स कंपनी के जरिए सरकारी जमीन से अवैध रूप से ग्रेनाइट निकालने का आरोप है, जिससे सरकार को 259 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस मामले में मदुरै की सीबीआई कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दुरई ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए मामले से बरी होने की याचिका दायर की है।

मामला मुदरै जिले के मेलूर के कीलावलावु क्षेत्र से जुड़ा है। ओलंपस ग्रेनाइट्स और इसके हितधारकों, जिनमें दुरई दयानिधि और एस. नागराजन शामिल हैं, पर सरकारी जमीन से गैरकानूनी तरीके से ग्रेनाइट निकालने का आरोप है। वर्ष 2012 में कीलावलावु पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। वर्ष 2018 में मेलूर न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में 5,191 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई, जिसमें दुरई और नागराजन सहित कई लोगों के नाम थे।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अलग से जांच शुरू की और दुरई की 40.34 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया, जिसमें मदुरै और चेन्नई में 25 जमीन के पार्सल, इमारतें और बैंक में सावधि जमा शामिल हैं। शुक्रवार को मदुरै की सीबीआई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई।

दुरई की कानूनी टीम ने उनकी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए बरी करने की मांग की। ईडी ने कोर्ट में तर्क दिया कि दुरई को व्यक्तिगत रूप से पेश होना चाहिए। सुनवाई के बाद जज ने मामले को जल्द दोबारा सुनने का आदेश दिया।

उत्तर कन्नड़ के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कारवार। उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के कारण कई निचले इलाके और सैकड़ों घर जलमग्न हो गए हैं जिससे सामान्य जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इलाके में 11 जून की रात से शुरू हुई लगातार बारिश बृहस्पतिवार को भी जारी रही। उन्होंने बताया कि कारवार के प्रमुख शहरी और ग्रामीण इलाकों में सबसे ज्यादा बारिश हुई, सड़कें नालों में बदल गईं और नाले उफान पर आ गए। कारवार में एमजी रोड, गीतांजलि सिनेमा, हाई चर्च क्षेत्र, कोड़ीबाग और साई कट्टे के पास की सड़कों पर जलभराव हो गया और दुकानों, मंदिरों तथा घरों में पानी घुस गया।

बृहस्पतिवार सुबह शहर के डोबीघाट रोड पर साईं मंदिर के पास भूस्खलन के कारण पहाड़ी से बड़े–बड़े पत्थर लुढ़कने लगे जिससे वहां भविष्य में भी भूस्खलन की आशंका है। यह घटना भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की रिपोर्ट आने के ठीक बाद हुई जिसमें कारवार सहित 21 स्थानों की भूस्खलन–संभावित क्षेत्रों के रूप में पहचान की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, दृश्यता कम होने के कारण एक कार कारवार में रंगमंदिरा के पास नाले में गिर गई। वाहन और उसके चालक को एक उत्खनन मशीन की मदद से निकाल लिया गया।

कोड़ीबाग की निवासी रीता फर्नांडीस ने अधिकारियों की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए जाने पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया। रीता अपने घर में पानी भर जाने से परेशान हैं। उन्होंने कहा, कोड़ीबीर मंदिर के पास छह घर पानी में डूब गए। हमें रात भर बुजुर्गों और बच्चों को रिश्तेदारों के घर भेजना पड़ा। हमारा फ्रिज, टेलीविजन, बिस्तर, चावल और दाल सब भीग गए।

केरल के मुख्यमंत्री ने ईरान पर हमले को लेकर इजराइल को ‘अंतरराष्ट्रीय ठग’ और ‘अहंकारी’ बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शुक्रवार को इजराइल को एक पुराना वैश्विक ठग बताया, जो ''अहंकार'' के साथ यह मानता है कि वह कुछ भी कर सकता है, क्योंकि उसे अमेरिका का समर्थन प्राप्त है।

विजयन शुक्रवार की सुबह ईरान में विभिन्न स्थानों पर इजराइल द्वारा हमले किए जाने की खबरों पर संवाददाताओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। इजराइल ने ईरान की राजधानी पर हमला किया, जिसमें देश के परमाणु कार्यक्रम और सैन्य स्थलों को निशाना बनाया गया। केरल के मुख्यमंत्री ने कहा कि इजराइल लंबे समय से ''वैश्विक ठग'' के रूप में काम कर रहा है और वह शालीनता का सामान्य तरीका नहीं अपनाता है। उन्होंने दावा किया, वे (इजरायल) अहंकारपूर्वक मानते हैं कि वे कुछ भी कर सकते हैं, क्योंकि उन्हें अमेरिका का समर्थन प्राप्त है।'' विजयन ने कहा कि ईरान पर हमले को उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई विश्व शांति के लिए खतरा है। उन्होंने कहा, जो लोग विश्व शांति बनाए रखना चाहते हैं, उन्हें इस तरह के कृत्यों का विरोध करने और निंदा करने के लिए तैयार रहना चाहिए।''

एचसीएल फाउंडेशन ने व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ किया समझौता

चेन्नई/नई दिल्ली। एचसीएलटेक की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) इकाई एचसीएल फाउंडेशन ने राज्य में उद्यमिता एवं व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ साझेदारी की है। एचसीएलटेक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस संबंध में तमिलनाडु सरकार के साथ दो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। स्टार्टअपटीएन (एमएसएमई विभाग) के साथ प्रथम समझौता ज्ञापन के तहत एचसीएल फाउंडेशन ने अगले तीन वर्ष में 100 स्टार्टअप का समर्थन देने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। वहीं रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग (डीईटी) के साथ मौजूदा सहयोग के नवीनीकरण हेतु अन्य एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पांच वर्षीय पहल का उद्देश्य राज्य की व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली को मजबूत करना है।

सिद्दरामय्या ने विजय रूपाणी के निधन पर शोक प्रकट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर शुक्रवार को शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में उल्लेखनीय योगदान दिया। बृहस्पतिवार दोपहर 242 लोगों को ले जा रहा बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई 171) विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।सिद्दरामय्या ने ‘एक्स’ पर लिखा, ''मैं विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जो अहमदाबाद में हवाई दुर्घटना में जान गंवाने वालों में शामिल हैं। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था और इससे पहले राज्यसभा सदस्य के रूप में उल्लेखनीय योगदान दिया था।'' गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री रूपाणी के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा,हमने अपने–अपने राज्यों के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए कुछ अवसरों पर बातचीत की थी। इस कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।'' वरिष्ठ भाजपा नेता रूपाणी (68) अगस्त 2016 से सितंबर 2021 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।

विमान हादसे में जान गंवाने वाली नर्स को लेकर

आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में केरल का अधिकारी निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में एक सरकारी कर्मचारी को फेसबुक पर केरल की एक नर्स के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए निलंबित कर दिया है, जिसकी अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। कासरगोड जिले के वेल्लारीकुंडु तालुक कार्यालय में जूनियर अधीक्षक ए पवित्रन को शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने पतनमथिट्टा की नर्स रंजीता का मजाक उड़ाया था, जो दुर्घटना में मारे गए लोगों में शामिल थीं। फेसबुक पोस्ट में, राज्य के राजस्व मंत्री के राजन ने पवित्रन की टिप्पणी को ‘अपमानजनक’ बताया और कहा कि पोस्ट उनके ध्यान में आने के तुरंत बाद निलंबन आदेश जारी कर दिया गया।

दो बच्चों की मां रंजीता ब्रिटेन में नर्स के रूप में काम कर रही थीं। वह विदेश में कुछ समय बिताने के बाद फिर से सरकारी सेवा में शामिल होने की योजना के साथ अपनी नौकरी से संबंधित औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए चार दिवसीय यात्रा पर केरल आई थीं। इस बीच, राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज पतनमथिट्टा जिले के पुल्लाड में रंजीता के घर पहुंचीं और उनके दो रोते हुए बच्चों और शोकाकुल परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी।

सिद्दरामय्या ने 16वें वित्त आयोग से केंद्रीय करों में अधिक हिस्सा मांगा

नयी दिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया से मुलाकात की और एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए केंद्रीय करों से राज्य के लिए अधिक आवंटन मांगा। सिद्दरामय्या ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, बैठक बहुत सौहार्दपूर्ण रही और चेयरमैन हमारी मांगों के प्रति बहुत सकारात्मक थे। मैंने केंद्रीय करों से राज्य को अधिक आवंटन की मांग करते हुए एक अतिरिक्त ज्ञापन सौंपा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि केंद्र का उपकर और अधिभार संग्रह पांच प्रतिशत से अधिक हो जाता है तो इसे विभाज्य पूल के अंतर्गत लाना चाहिए। उन्होंने कहा, केंद्र विभिन्न वस्तुओं पर उपकर और अधिभार लेता है। इसमें हमारा कोई हिस्सा नहीं है। इसे भारत सरकार रखती है। यदि वे पांच प्रतिशत से अधिक एकत्र करते हैं तो इसे विभाज्य पूल के अंतर्गत आना चाहिए।

आज से शुरू हो सकती है मानसून पूर्व बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने कई दिन से प्रचंड गर्मी झेल रहे राजस्थान के कई इलाकों में शनिवार से मानसून पूर्व बारिश शुरू होने का पूर्वानुमान जताया है जिससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार आज दक्षिणी राजस्थान के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है व बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाएं सक्रिय हैं। इसने कहा कि आगामी दिन में मानसून के पूर्वी व मध्य भारत के भागों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल है।

मौसम विभाग के अनुसार आज शुक्रवार को उदयपुर, कोटा व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद तेज आंधी-बारिश हो सकती है, जबकि जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 45 से 48 डिग्री दर्ज होने तथा प्रचंड लू का दौर जारी रहने की संभावना है। 14 जून को उदयपुर, कोटा, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मानसून पूर्व की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने व तापमान में दो से तीन डिग्री गिरावट होने का अनुमान है।

जोधपुर, बीकानेर संभाग में लू का दौर जारी रहने व दोपहर बाद कहीं-कहीं बादल गरजने, 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने व हल्की बारिश होने की संभावना है। मानसून पूर्व की बारिश में 15 जून से और बढ़ोतरी होने तथा तापमान में और दो से चार डिग्री सेल्सियस गिरावट होने से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

विधान सभा में सामूहिक योग 16 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा में सोमवार को प्रात: 6:00 बजे सामूहिक योग का आयोजन होगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के सानिध्य में विधायकगण, विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी योग आसन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग दिवस को 100 दिन पूर्व से मनाये जाने के आव्हान पर राजस्थान विधान सभा में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है ताकि जन सामान्य में जागृति पैदा हो सके। देवनानी ने कहा कि योग सनातन की महान विरासत है। इसे जन-जन का एक अभिन्न अंग बनाने के लिये लोगों को योग के प्रति जागरूक करना होगा। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इण्डियन योगा एसोसिएशन और क्रीडा भारती के सहयोग से राजस्थान विधान सभा के उत्तरी द्वार के समीप सामूहिक योग का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस योग कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के योग प्रोटोकॉल के अनुरूप आसन, प्राणायाम और

ध्यान कराया जायेगा।

देवनानी ने कहा कि योग, दुनिया के लिए भारत की देन है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। वर्तमान में 193 सदस्य देशों में योग दिवस मनाया जाता है। देवनानी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना के लिए भारत द्वारा तैयार किये गये प्रस्ताव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा था कि योग हमारी प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है।

देवनानी ने बताया कि इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग भारत के लोगों द्वारा शुरू किया जाने वाला शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसे अब दुनियाभर में मनाया जा रहा है। योग केवल व्यायाम ही नहीं बल्कि यह स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना को खोजने का एक तरीका है।

देवनानी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एक ऐसा उत्सव है जो प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी को महत्व देता है। इसका लक्ष्य योग को एक व्यापक आन्दोलन में बदलना है जो वैश्विक स्वास्थ्य और शांति को बढावा देता है। उन्होंने कहा कि सभी मिल-जुलकर स्वस्थ भारत की रचना करें। शरीर, मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहेंगे तब ही राष्ट्र की उन्नति होगी। राष्ट्र को स्वस्थ बनाने के लिए योग, यज्ञ और संतुलित आहार को आचरण में लाना होगा। भारत विश्व गुरु है। भारत की परम्पराएं समृद्ध है।

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से यह राष्ट्र समृद्ध है। निरोगी राष्ट्र बनाने के लिए योग को जीवन का अंग बनाना होगा। योग स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। इस मशीनी युग में बदलती जीवन शैली के लिए योग की आवश्यकता बढती जा रही है।

श्रीलंकाई सेना के कमांडर रोड्रिगो ने जयपुर का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। श्रीलंकाई सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बी के जी एम एल रोड्रिगो भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान के दो दिवसीय दौरे पर यहां आए और सैन्य अधिकारियों के साथ चर्चा की। एक सैन्य प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो 12-13 जून को जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमान के दो दिवसीय दौरे पर थे। दक्षिण पश्चिमी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने यहां उनका स्वागत किया।

सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने एक बयान में बताया कि कमांडर रोड्रिगो ने यहां कमान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की तथा अनुभवों को साझा किया। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा, संयुक्त प्रशिक्षण पहल, क्षमता विकास और सर्वोत्तम चलन के आदान-प्रदान पर विस्तार से चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने आतंकवाद विरोधी अभियानों से जुड़ी प्रस्तुति भी देखी।

सैन्य कार्यक्रमों के अलावा लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने सैन्य और सांस्कृतिक स्थलों का भी दौरा किया जहां उन्होंने राजस्थान की समृद्ध सैन्य और सांस्कृतिक विरासत को देखा। बयान के अनुसार रोड्रिगो का यह दौरा अपने मजबूत रक्षा सहयोग को गहरा करने की दोनों देशों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो दशकों के साझा इतिहास, आपसी विश्वास और क्षेत्रीय साझेदारी पर बना है। यह दौरा दोनों सेनाओं के बीच सौहार्द और संबंधों, क्षमता निर्माण, सैन्य प्रशिक्षण और क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा।

काम में लापरवाही बरतने पर कृषि विभाग के 11 अधिकारी निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कृषि मंत्री डा किरोड़ीलाल मीणा के खाद बीज फैक्ट्रियों पर छापों के बाद काम में लापरवाही बरतने एवं उर्वरक विनिर्माण इकाई मालिकों के साथ सांठ गांठ कर अमानक उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराने पर कृषि विभाग के 11 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया हैं। इस संबंध में विभाग के जारी आदेश के अनुसार इस मामले में तत्कालीन उपनिदेशक कृषि (गु नि) बंशीधर जाट, सहायक निदेशक ज्वाला प्रताप सिंह, सहायक निदेशक कृषि (पी सं) गोविंद सिंह, सहायक निदेशक कृषि मुकेश कुमारी चौधरी, कृषि अधिकारी (योजना) राजवीर ओला, तत्कालीन कृषि अधिकारी सोरभ गर्ग एवं मुकेश कुमारी माली, तत्कालीन कृषि अधिकारी कैलाश चन्द्र शर्मा हाल उपपरियोजना निदेशक (आत्मा) के द्वारा कर्तव्य में गंभीर लापरवाही बरतने एवं उर्वरक विनिर्माण इकाई मालिकों के साथ सांठ-गांठ कर अमानक उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराने में प्रथम दृष्टया संलिप्तता के मद्देनजर इनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करते हुए निलंबित कर दिया गया।

इसी तरह सहायक निदेशक कृषि (मुख्यालय) लोकेन्द्र सिंह, कृषि अधिकारी (सामान्य) सुनील कुमार बरड़िया एवं कृषि अधिकारी (मिशन) प्रेम सिंह कार्यालय संयुक्त निदेशक कृषि (वि) जिला परिषद जयपुर के द्वारा उर्वरकों के अवैध भण्डारण की शिकायत मिलने पर जब्ती की कार्यवाही करने के लिए शिकायती स्थल पर (आदान निरीक्षकों) नहीं पहुंचने की गंभीर लापरवाही एवं उच्च अधिकारियों के आदेश की अवहेलना किए जाने पर इनके विरुद्ध भी अनुशासनिक कार्यवाही करते हुए निलंबित किया गया हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा : ओम बिरला ने कहा, 'पूरा देश हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ खड़ा है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को लेकर दुख व्यक्त किया। दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में देश उनके परिजनों के साथ खड़ा है। उन्होंने इस संबंध में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के साथ दुख की इस घड़ी में पूरा देश खड़ा है। भगवान सभी को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। हम सभी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के संदर्भ में कहा कि हमारी भगवान से प्रार्थना है कि वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। पूरा देश इस हादसे के बाद दुखी है। इस हादसे ने न सिर्फ भारत, बल्कि कई देशों को दुखी किया है। कई देशों ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने इस बात को दोहराते हुए दुख की इस घड़ी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के साथ पूरा देश खड़ा है। अहमदाबाद विमान हादसे को व्यथित

करने वाला बताते हुए बिरला ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट भी किया था। उन्होंने लिखा, अहमदाबाद, गुजरात में विमान दुर्घटना की खबर जानकर व्यथित हूं। इस हादसे में हताहत हुए सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल यात्रियों की रक्षा करें। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति की समीक्षा की। इसके अलावा, उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के परिजनों से भी मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रधानमंत्री ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया। अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही दुखद है। अधिकारियों और टीमों से मुलाकात की जो घटना के बाद अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी संवेदना। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि उनके पीछे जो खालीपन रह गया है, उसे आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। ओम शांति।

एयर इंडिया ने भी हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के लिए मित्र एवं सहायता केंद्र स्थापित किए हैं। एयरलाइंस ने बताया कि इस केंद्र का मुख्य मकसद हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों की मदद करना है। यह सहायता केंद्र मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली, मुंबई और गैटविक हवाई अड्डे पर स्थापित किए गए हैं।

पुराने प्रकरणों के निस्तारण में देरी कर रहे अधिकारियों को जारी करें नोटिस : राजपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55 एवं 57 के तहत लम्बित प्रकरणों की जांच निर्धारित समय अवधि में पूरी कर जांच परिणाम जारी किए जाएं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लम्बित पुराने प्रकरणों के निस्तारण में देरी कर रहे अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

श्रीमती राजपाल शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55, 57 (1) एवं 57 (2) के तहत लम्बित प्रकरणों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने पुराने प्रकरणों के निस्तारण में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी अपनी कार्यशैली में बदलाव लाकर प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करें। स्पष्ट निर्देशों के बावजूद लापरवाही बरत रहे अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल बार-बार नोटिस देकर प्रकरण को लम्बित नहीं रखा जाए। साथ ही, जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट तत्काल सबमिट की जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं के प्रकरणों से आमजन का सहकारिता में विश्वास कम होता है। इसलिए जांच अधिकारी ऐसे प्रकरणों में पूरी ईमानदारी से जांच कर अपनी रिपोर्ट दें। वरिष्ठ अधिकारी भी यह ध्यान रखें कि पर्यवेक्षणीय लापरवाही नहीं हो। श्रीमती राजपाल ने निर्देश दिए कि नये प्रकरणों का भी मुख्यालय से जारी परिपत्र के अनुसार तीन माह की अवधि में आवश्यक रूप से निस्तारण किया जाए। साथ ही, माननीय न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों का भी शीघ्र निस्तारण करवाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक लम्बित प्रकरणों वाले तीन खण्डों (जयपुर, जोधपुर एवं बीकानेर) की जुलाई माह में फिर से समीक्षा की जाएगी।

बैठक में एक वर्ष से कम, एक से तीन वर्ष, तीन से पांच वर्ष एवं पांच वर्ष से अधिक समय से लम्बित प्रकरणों की खण्डवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बैठक में अवगत कराया कि वर्ष 2024-25 में कुल 869 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जिनमें धारा 55 के 249, धारा 57 (1) के 342 एवं धारा 57 (2) के 278 प्रकरण शामिल हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2025-26 में 31 मई तक 94 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है, जिनमें धारा 55 के 20, धारा 57 (1) के 42 एवं धारा 57 (2) के 32 प्रकरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जयपुर, बीकानेर, जोधपुर एवं भरतपुर खण्ड में प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति अच्छी रही है। बैठक में अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) श्रीमती शिल्पी पांडे, संयुक्त रजिस्ट्रार (नियम) अजय उपाध्याय एवं सहायक रजिस्ट्रार (मॉनिटरिंग) शिरीष चांदे मौजूद रहे। जबकि, सभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड), जिला उप रजिस्ट्रार एवं संबंधित केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशक वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी ओटी में आग, आधे घंटे बंद रहा ऑपरेशन थिएटर

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल की इमरजेंसी विंग में बने ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में शुक्रवार सुबह आग लग गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण सर्जिकल डिपार्टमेंट की ओटी के पैनल बोर्ड में आग लगी। गनीमत रही कि आग ज्यादा नहीं फैली और जिस स्थान पर आग लगी वहां उस समय न कोई मरीज था और न ही स्टाफ मौजूद था। घटना के बाद ऑपरेशन थिएटर का काम करीब आधे घंटे तक बंद रखना पड़ा। सूचना मिलते ही अस्पताल के इलेक्ट्रिशियन मौके पर पहुंचे और शॉर्ट सर्किट वाले पैनल बोर्ड की मरम्मत की गई। इसके बाद ओटी का काम सामान्य रूप से शुरू कर दिया गया। स्टाफ के मुताबिक पैनल बोर्ड में अचानक स्पार्किंग के बाद धुआं भर गया था। धुआं उठते ही वहां मौजूद गार्ड और अन्य कर्मचारियों ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत बिजली की सप्लाई बंद कर दी। इसके कारण आग ज्यादा फैल नहीं सकी और अपने आप ही बुझ गई। इस दौरान ओटी के बाहर दो मरीज मौजूद थे। हालांकि आग लगने की इस घटना से कुछ देर के लिए अस्पताल स्टाफ और मरीजों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, लेकिन स्थिति पर जल्दी ही काबू पा लिया गया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार अब ओटी पूरी तरह सुरक्षित है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पोखरों को मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए शुक्रवार को जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान और ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के माध्यम से संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. यादव ने सभी ब्लॉक विकास अधिकारियों को आगामी हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण के लिए शीघ्र ही स्थान चिन्हित कर गड्ढे तैयार करने तथा वन विभाग से ब्लॉकवार लक्षित पौधे प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने समीपवर्ती नर्सरियों से पौधे लेने तथा छायादार एवं फलदार पौधे लगाने के लिए उद्यान विभाग से समन्वय बनाने को कहा।

कलेक्टर ने अटल सेवा केंद्रों, खेल मैदानों, चारागाह भूमि, स्कूलों, ग्रामीण सड़कों, नहरों, झीलों, बांधों व पोखरों के किनारों पर वृक्षारोपण, तारबंदी, गड्ढे खोदने और मनरेगा मस्टरोल जारी करने की पूर्व तैयारी समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही नवाचार 'हरी-भरी पोखर अभियान' के तहत बड़े पोखरों को चिन्हित कर उनके चारों ओर मॉर्निंग वॉक ट्रैक, पौधारोपण और ओपन जिम जैसी सुविधाएं विकसित करने को कहा, जिससे इन स्थानों को मॉडल के रूप में विकसित किया जा सके।

कलेक्टर ने 20 जून तक चलने वाले वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत ब्लॉकवार सभी गतिविधियों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए।

साथ ही कार्यक्रमों व कार्यों के वीडियो बनाकर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी विभागों को अपने-अपने स्तर पर जल संरक्षण, जल स्रोतों की सफाई, तालाब व बावड़ियों के निर्माण व पुनरुद्धार, पर्यावरण शपथ, श्रमदान और जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तहत खड़ीन, टांका, नाड़ी पोखर, मेडबंदी व अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण एवं पुनरुद्धार कार्यों में प्रगति लाने पर बल दिया। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु सोख्ता गड्ढे बनवाने तथा स्वामित्व योजना में पट्टे वितरण में प्रगति लाने के लिए उच्चैन, बयाना, नदबई, वैर व भुसावर के बीडीओ को निर्देशित किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी व पटवारी पात्र लाभार्थियों का सत्यापन सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे। सांसद व विधायक कोष से स्वीकृत कार्यों की उपयोगिता व पूर्णता प्रमाण पत्र शीघ्र भेजने तथा लंबित कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे आवासों को शीघ्र पूरा कराने, नवीन पंचायत भवन, सामुदायिक सैनिटरी कॉम्प्लेक्स, आंगनवाड़ी, सामुदायिक शौचालय आदि के शेष कार्यों को समय पर पूरा करने के भी निर्देश दिए। साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनांतर्गत पात्र व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन करने को कहा।

हर व्यवस्था में हर समय सुधार की रहती है गुंजाइश : साहू

अजमेर। राजस्थान पुलिस के मुखिया रहे उत्कल रंजन (यू.आर.) साहू ने गुरुवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के 40वें मुखिया के रूप में पदभार ग्रहण किया। आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष कैलाशचंद मीणा ने उन्हें कार्यभार सौंपा। सचिव रामनिवास मेहता ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। अजमेर पहुंचने पर आयोग अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान डीआईजी ओमप्रकाश, एसपी वंदिता राणा सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। साहू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व चुनौतीपूर्ण है। इसके निर्वहन का पूर्ण प्रयास किया जाएगा। परीक्षाओं व साक्षात्कारों का समयबद्ध आयोजन उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि आयोग की प्रक्रियाओं के संबंध में वर्तमान सदस्यों व अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आगामी कार्ययोजना निर्धारित की जाएगी। साहू ने कहा कि हर व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश हर वक्त रहती है। जो प्रक्रिया चल रही है, वह सही रूप से हो रही है। समस्या क्या है और हर समस्या के समाधान ढूंढने की जरूरत है।

जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर बढ़ाने के हर संभव प्रयास हों सुनिश्चित : सोनी

जयपुर। जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी संबंधित अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिले में प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर ने इस अभियान की प्रगति एवं आगामी कार्य योजना की समीक्षा कर यह निर्देश दिया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा आमजन को जोड़ने एवं जन जागरुकता बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकरियों को जल संरचनाओं की साफ-सफाई, जीर्णोद्धार के द्वारा जिले में भू जल स्तर बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

जिला कलक्टर ने वन विभाग के अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने एवं जिले में हरित क्षेत्र बढ़ाने के कदम उठाने के निर्देश दिये।

प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार, शिक्षा का केंद्र है : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित प्रत्येक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) स्वास्थ्य देखभाल नवाचार और शिक्षा के केंद्र के रूप में कार्य करते हुए समतापूर्ण, वहनीय एवं साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ये संस्थान सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा जुड़े विशेषज्ञों की एक नई पीढ़ी को तैयार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने एम्स नागपुर में मंत्रालय की सर्वोत्तम विधियों पर आयोजित प्रथम सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न एम्स

द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय विधियों को प्रदर्शित करना है, जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, संचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। देश भर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स भोपाल, एम्स जम्मू, एम्स बिलासपुर, एम्स जोधपुर, एम्स नागपुर, एम्स देवघर, एम्स पटना, एम्स गोरखपुर, एम्स गुवाहाटी, एम्स रायपुर) के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) प्रभाग और रक्षा मंत्रालय ने सम्मेलन में सहयोग किया।

नड्डा ने एम्स के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ''राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक एम्स उन्नत चिकित्सकीय देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है।'' उन्होंने प्रत्येक नये एम्स की सर्वोत्तम विधियों और नवाचारों को अन्य एम्स के साथ साझा करने के महत्व पर जोर दिया ताकि उनका व्यापक रूप से उपयोग किया जा सके। उन्होंने ''अग्रणी भूमिका निभाने और सर्वोत्तम विधियों पर पहला सम्मेलन आयोजित करने'' के लिए एम्स नागपुर की सराहना की।

ओडिशा सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में 3,878 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने शुक्रवार को 3,878.86 करोड़ रुपए के 17 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी। ये निवेश प्रस्ताव राज्य के 11 जिलों में 10,584 नए रोजगार के अवसर सृजित करेंगे।

मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एकल खिड़की मंजूरी प्राधिकरण (एसएलएसडब्ल्यूसीए) की बैठक में निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। अधिकारी ने कहा कि अनुमोदित परियोजनाएं प्लास्टिक, तकनीकी वस्त्र, कपड़ा और परिधान, ईएसडीएम, खाद्य प्रसंस्करण, बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, लॉजिस्टिक और बुनियादी ढांचा, रसायन और इस्पात जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए थीं।

प्लास्टिक क्षेत्र को छह निवेश प्रस्ताव मिले। ग्रीनवेव सर्कुलरिटी प्राइवेट लिमिटेड 650.23 करोड़ रुपए के निवेश से खुर्दा में रिसाइकिल फ्लेक्स, पेलेट और रेजिन निर्माण सुविधा स्थापित करेगी। इससे 600 लोगों को नौकरियां मिलने की उम्मीद है।

गुरुमहाराज माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड भी 2,50,000 मीटर की वार्षिक क्षमता वाली भूमिगत पाइपलाइन (यूजीपीएल) बनाने के लिए 239.07 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है। इससे खुर्दा में 860 नौकरियां पैदा होंगी। अधिकारी ने कहा कि सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड 175 करोड़ रुपए के निवेश से कटक में प्लास्टिक उत्पादों के लिए एक इकाई स्थापित करेगी, जिससे 165 नौकरियां पैदा होंगी।

हाथरस सत्संग भगदड़

बचाव पक्ष ने साजिश का आरोप लगाया, 30 को अगली सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाथरस/भाषा। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में पिछले वर्ष एक सत्संग में मची भगदड़ को 'पूर्व नियोजित' बताते हुए आरोपियों के वकील ने अदालत में पुलिस द्वारा दायर आरोपपत्र को 'झूठ का पुलिंदा' करार दिया।

हाथरस जिले के सिकंदराराऊ तहसील में दो जुलाई 2024 को प्रवचनकर्ता सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के एक आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गयी थी, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे।

प्रवचनकर्ता को छोड़कर कार्यक्रम के कुछ प्रमुख आयोजकों को मामले में आरोपी बनाया गया है।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता एपी सिंह ने में शुक्रवार को बताया कि मामले में कुल 11 आरोपी हैं, जिनमें से 10 शुक्रवार को जिला अदालत में पेश हुए जबकि एक आरोपी अस्वस्थता के कारण पेश नहीं हो सका।

सूरजपाल के कानूनी सलाहकार सिंह ने अदालत में आरोप लगाया कि यह एक 'पूर्व नियोजित' भगदड़ थी और उन्होंने दावा किया कि पुलिस द्वारा सूचीबद्ध गवाहों सहित पूरा

आरोपपत्र 'झूठ का पुलिंदा' है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने जल्दबाजी में आरोप पत्र तैयार किया है। सिंह ने कहा, हम अदालत के सामने सच्चाई पेश कर रहे हैं और झूठ को उजागर कर रहे हैं।

वकील ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए पूछा, मौके पर मौजूद 73 पुलिसकर्मी चुप क्यों रहे? क्या वे नारायण साकर हरि की आध्यात्मिक उपस्थिति और शब्दों से प्रभावित थे, या वे आस्था और श्रद्धा से काम कर रहे थे? उन्होंने दावा किया कि अगर इन अधिकारियों ने समय रहते कार्रवाई की होती, तो 'षड्यंत्रकारियों द्वारा जहरीले स्प्रे' के कथित इस्तेमाल को रोका जा सकता था और लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

सिंह से कहा कि नारायण सागर हरि ने कभी नहीं कहा कि चरण राज लेने से लोगों के जीवन में फायदा मिलेगा। अदालत ने सिंह की दलीलें सुनने के बाद मामले में अगली सुनवाई 30 जून को सूचीबद्ध कर दी।

अगले सप्ताह दक्षिण बंगाल की ओर बढ़ेगा मानसून, भारी बारिश होने का अनुमान

कोलकाता/भाषा। आईएमडी ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले सप्ताह के मध्य तक पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के आसार के मद्देनजर के कई जिलों में भारी बारिश का शुक्रवार को पूर्वानुमान व्यक्त किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 18 जून तक के अपने पूर्वानुमान में कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियों और बंगाल की खाड़ी से भारी नमी उत्पन्न होने के कारण राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने कहा कि 14 जून को उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों में भारी से बहुत भारी स्तर की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर बंगाल के अन्य जिलों में 18 जून तक भारी बारिश होने के आसार हैं। आईएमडी बुलेटिन में कहा गया है कि दक्षिण बंगाल के उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिम मिदनापुर, कोलकाता, हावड़ा, हुगली, झारग्राम, पुरुलिया, बीरभूम और पश्चिम बर्धमान जिलों में 14 जून से 18 जून के बीच भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है।

धुबरी में 'सांप्रदायिक समूह' अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है, देखते ही गोली मारने के आदेश : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश की सीमा से लगे धुबरी जिले में रात में देखते ही गोली मारने के आदेश लागू होंगे, क्योंकि एक ''सांप्रदायिक समूह'' अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहा है, जिसे सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

धुबरी कस्बे में रविवार को एक मंदिर के पास मांस के टुकड़े मिलने के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इलाके में सोमवार को निषेधाज्ञा लागू की गई थी, जिसे मंगलवार को हटा लिया गया। मुख्यमंत्री ने स्थिति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को धुबरी का दौरा किया। उन्होंने कहा, ''मेरे गुवाहाटी पहुंचते ही देखते ही गोली मारने का आदेश आज जारी कर दिया जाएगा तथा रात में बाहर निकलने वाले या पत्थरबाजी की घटना में संलिप्त

व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया जाएगा और धुबरी में सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों ने कानून अपने हाथ में लिये हैं, उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा।'' शर्मा ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से धुबरी में कानून-व्यवस्था की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बकरीद के अगले दिन सात जून को धुबरी जिला मुख्यालय में हनुमान मंदिर के सामने एक गाय का सिर मिला था, जिसके बाद हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों ने शांति और सद्भाव की अपील की थी।

शर्मा ने बताया कि हालांकि अगले दिन फिर से मंदिर के सामने गाय का सिर रखा गया और रात में पत्थरबाजी की गई। उन्होंने बताया कि बकरीद से एक दिन पहले 'नबीन बांग्ला' नामक संगठन ने 'भड़काऊ पोस्टर' चिपकाए थे, जिनमें धुबरी को बांग्लादेश में शामिल करने की मंशा जाहिर की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''धुबरी में अशांति फैलाने के लिए एक सांप्रदायिक समूह सक्रिय हो गया है और इसके बारे में पता चलने के बाद मैं धुबरी आया हूं तथा जिले में रात में देखते ही गोली मारने के आदेश लागू रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि धुबरी में सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा और जिन लोगों ने कानून को अपने हाथ में लिया है, उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

विमान दुर्घटना में 'फ्लाइट अटेंडेंट' की मौत, शादी की तैयारियों का उत्साह मातम में बदला

ठाणे/भाषा। 'फ्लाइट अटेंडेंट' रोशनी सोंघारे के जीवन में आगामी दिनों में एक नया अध्याय जुड़ने वाला था, क्योंकि वह अगले साल मर्चेंट नेवी में एक अधिकारी के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली थीं और उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक इसकी तैयारियां शुरू कर दी थीं। लेकिन बृहस्पतिवार दोपहर को अहमदाबाद से लंदन जा रहे वाले एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर आने के बाद सारी खुशी मातम में बदल गई। छब्बीस वर्षीय रोशनी उस विमान में सवार चालक दल के सदस्यों में से एक थीं। इस घटना ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली कस्बे के राजाजी पथ पर रहने वाले सोंघारे परिवार को तोड़कर रख दिया है। रोशनी अपनी ड्यूटी के लिए तीन दिन पहले घर से निकली थीं, लेकिन विमान दुर्घटना के चलते सब खत्म हो गया और उनके परिवार के सदस्यों - 50 वर्षीय पिता राजेंद्र, मां शोभा और छोटे भाई विग्नेश को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। एक करीबी रिश्तेदार ने कंपकंपाती आवाज में पत्रकारों को बताया, वह इस घर की धड़कन थी। हम नवंबर में उसकी सगाई और मार्च में शादी करने वाले थे।

भुवनेश्वर में अंतरराज्यीय हथियार गिरोह का भंडाफोड, पांच लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। पुलिस ने भुवनेश्वर में पांच लोगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को एक अंतरराज्यीय हथियार गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त एस. देव दत्ता सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हवाईअड्डा थाने के कर्मियों ने पोखरीपुट इलाके में छापेमारी के बाद गिरफ्तारियां कीं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि उनके पास से छह अवैध हथियार जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान प्रबीन कुमार सिंह (40), राघवेंद्र सिंह (28), अभिषेक राजपूत (31), इंद्रजीत सिंह (38) और एसके सकील (28) के रूप में हुई है। सिंह ने बताया कि इनमें से तीन उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से, एक मध्य प्रदेश के भिंड जिले से और एक कटक के सालेपुर से है। उन्होंने कहा कि हथियारों के साथ एक कार और पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। आयुक्त ने बताया कि पिछले दो महीने से शहर के जटनी गेट इलाके में किराए के एक मकान में रह रहा प्रबीन हथियारों का तस्कर है और दूसरे राज्यों से अवैध हथियार लाता है।

एअर इंडिया विमान हादसे की 'सच्चाई सामने' लाने के लिए हो गहन और पारदर्शी जांच : तृणमूल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एअर इंडिया विमान हादसे के एक दिन बाद शुक्रवार को घटना की ''सच्चाई उजागर करने'' के लिए ''गहन और निष्पक्ष'' जांच की मांग की।

गुजरात के अहमदाबाद से ब्रिटेन के लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई। विमान एक चिकित्सा महाविद्यालय के छात्रावास पर गिरा, जिससे वहां मौजूद कुछ लोगों के हताहत होने की आशंका है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उचित जांच पूरी होने से पहले ही 'पक्षी टकराने' जैसे सिद्धांतों को स्थापित करने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''कल एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद पूरा देश शोक में है। इस त्रासदी के बाद, कई तरह की बातें कही जा रही हैं। हम सच्चाई को उजागर करने के लिए गहन, पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। कोई लीपापोती नहीं। कोई राजनीति नहीं। केवल जवाबदेही। यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।'' घोष ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नीत सरकार में देश भर में यात्रियों के लिए हवाई मार्ग और रेलवे यात्रा सुरक्षा ''सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है''।

घोष ने कहा, ''विमान पेरिस से दिल्ली आया था। इसके बाद यह अहमदाबाद पहुंचा और फिर लंदन के लिए रवाना हुआ। अचानक ऐसा क्या हुआ कि यह उड़ान भरने में असमर्थ हो गया? क्या विमान का रखरखाव ठीक से किया गया था? इसकी प्रणाली के काम न करने की इतनी शिकायतें क्यों सामने आ रही हैं?'' उन्होंने विमान रखरखाव में संभावित चूक के लिए भी केंद्र को जिम्मेदार ठहराया, जबकि विमानन कंपनी (एअर इंडिया) वर्तमान में निजी स्वामित्व में है। घोष ने कहा, '' टाटा समूह ने हाल ही में एअर इंडिया का अधिग्रहण किया है। इससे पहले, यह केंद्र के स्वामित्व वाली एयरलाइन थी। नए और पुराने मालिक का जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालना स्वीकार्य नहीं है।''

असम के शिवसागर में ओएनजीसी के कुएं से गैस का अनियंत्रित रिसाव जारी

शिवसागर (असम)/भाषा। असम के शिवसागर जिले में ओएनजीसी के एक कच्चे तेल के कुएं में एक दिन पहले हुए विस्फोट के बाद इससे गैस का अनियंत्रित रिसाव लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा।

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने इस घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही कुएं को नियंत्रित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कुएं में आग नहीं लगी है और इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है। सभी आपातकालीन सेवाओं को मौके पर तैनात कर दिया गया है। यह घटना ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र में स्थित रिग नंबर एसकेपी 135 के कुएं आरडीएस 147 में हुई। इस कुएं का संचालन ओएनजीसी की तरफ से एक निजी कंपनी एसके पेट्रो सर्विसेज कर रही थी। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि बृहस्पतिवार को सर्विसिंग के दौरान कुएं से गैस रिसाव देखा गया। कंपनी ने तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल मौके पर पहुंच गया। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का दावा है कि स्थिति अब पूरी तरह से नियंत्रण में है और उन्हें उम्मीद है कि बहुत जल्द सब सामान्य हो जाएगा।

उत्तर प्रदेश: लुप्तप्राय पीली नदी के पुनरुद्धार के लिए शुरू किया गया अभियान

जौनपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में लुप्तप्राय पीली नदी के पुनरुद्धार के प्रयासों के तहत एक अभियान शुरू किया गया है। पीली नदी, बदलापुर विधानसभा क्षेत्र की ओर प्रवाहित होती है और यह नदी क्षेत्र में रहने वाले किसानों के लिए जीवनदायिनी है।

'बदलापुर संकल्पित, पीली नदी संरक्षित' नारे के तहत संचालित इस परियोजना की आधिकारिक शुरुआत 12 जून को भूमिपूजन के साथ हुई। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने अभियान का नेतृत्व किया है। विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि बदलापुर विधानसभा के लिए यह नदी जीवनदायिनी है और इस नदी के पुनरुद्धार से क्षेत्र के किसानों व जीव जंतुओं को भी राहत मिलेगी। नदी के किनारों की मरम्मत का कार्य सक्रिय रूप से जारी है। भाजपा विधायक ने कहा कि नदी के संरक्षण को लेकर 11 जून को जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के साथ बैठक हुई थी। पुनरुद्धार अभियान के तहत नदी के किनारों को दुरुस्त करने के लिए जेसीबी जैसी भारी-भरकम मशीनें लगायी गयी हैं।

विधायक ने बताया कि जिलाधिकारी और अन्य उच्चाधिकारियों के साथ हुई बैठक में नदी को संरक्षित और निरन्तर जल प्रवाह के लिए कार्ययोजना तैयार करने की रणनीति तैयार की गई। उन्होंने बताया कि नदी के जीर्णोद्धार के लिए विधानसभा क्षेत्र के जिन गांवो से यह नदी गुजर रही है, वहां के स्थानीय नागरिकों के साथ समाजसेवी संस्थाओं की भी मदद ली जाएगी।

अयोध्या में राम मंदिर के आसपास ऊंची इमारतों के निर्माण पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश में अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने मास्टर प्लान-2031 के तहत राम मंदिर के आसपास ऊंची इमारतों के निर्माण पर रोक लगा दी है। एडीए ने यह कदम राम मंदिर की सौंदर्य और आध्यात्मिक पवित्रता को बनाए रखने के प्रयास में उठाया है।

अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में पिछले वर्ष 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गयी थी। तबसे मंदिर निर्माण के विस्तार और अन्य योजनाओं पर लगातार काम चल रहा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि अयोध्या विकास प्राधिकरण ने मास्टर प्लान-2031 के तहत राम मंदिर के आसपास प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है और राम मंदिर के आसपास ऊंची इमारतों के निर्माण पर रोक लगा दी गई है। एडीए ने अयोध्या में विभिन्न स्थानों पर नोटिस बोर्ड लगाना शुरू कर दिया है, जिसमें नए नियमों को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया है और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ चेतावनी दी गई है। इन प्रतिबंधों का मतलब है कि राम मंदिर के पास कोई नई ऊंची इमारत बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी पांडेय ने बताया कि नए दिशा-निर्देश मंदिर से निकटता के आधार पर इमारतों की ऊंचाई की सीमा निर्धारित करते हैं। पांडेय ने कहा कि दो किलोमीटर की पहली परिधि में इमारत की ऊंचाई केवल सात मीटर और चार किलोमीटर की दूसरी परिधि में 15 मीटर की ऊंचाई की अनुमति होगी।

ओडिशा : बीएसएफ और राज्य पुलिस के संयुक्त अभियान में दो नक्सली कमांडर गिरफ्तार

नई दिल्ली/भुवनेश्वर/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और ओडिशा पुलिस ने शुक्रवार को संयुक्त अभियान में मलकानगिरी जिले के जंगलों में मुठभेड़ के बाद दो नक्सली कमांडरों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि कांगेरघाटी क्षेत्र के एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) केसा कवासी (32) और आंध्र-ओडिशा सीमा माओवादी सैन्य प्लाटून के एसीएम राकेश उर्फ सानू कुंजम (30) को सुरक्षा बलों ने उक्त जिले के सोडिगुडा और तेंतुलीगुडा गांवों के निकट से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने दोनों नक्सलियों से एक पिस्तौल, दस इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, एक वॉकी-टॉकी और एक रेडियो, छह राउंड गोलियां, दो चाकू और कुछ अन्य सामान बरामद किया।

मौलवी ने मदरसे में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म कर बनाया वीडियो, गिरफ्तार

हापुड़/भाषा। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के एक मदरसे में नाबालिग छात्रा से कथित तौर पर दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने के आरोप में एक मौलवी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर थानाक्षेत्र के एक गांव स्थित मदरसे में 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा पढ़ने जाती थी, जहां मौलवी हाफिज वसीम ने 12 अप्रैल और 10 मई को उससे दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया।

एक अधिकारी ने बताया कि लड़की के परिजनों ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मौलवी वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उनकी बेटी को ब्लैकमेल करने लगा और विरोध करने पर सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर दिया। पुलिस ने बताया कि परिजनों ने बृहस्पतिवार को गढ़मुक्तेश्वर थाने में शिकायत दर्ज कराई। गढ़मुक्तेश्वर थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) नीरज कुमार ने बताया कि मामले में बृहस्पतिवार देर शाम पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर बहादुरगढ़ निवासी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को विधिक प्रक्रिया पूरी कर आरोपी मौलाना हाफिज वसीम को जेल भेज दिया।

फिर से मौका मिलने पर भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं: नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेकेनहैम/भाषा। भारतीय क्रिकेट में दूसरी बार मौका मिलना बहुत दुर्लभ होता है और करुण नायर इस बात के लिए आभारी हैं कि उन्हें एक बार फिर से भारत की टेस्ट जर्सी पहनने का मौका मिल रहा है। दायें हाथ का यह बल्लेबाज इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए के लिए दोहरा शतक जड़ने के बाद सीनियर टीम के साथ जुड़ गया है।

भारत इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगा जिसका आगाज 20 जून में लीड्स में होगा। नायर ने राष्ट्रीय टीम

में शामिल होने के बाद 'बीसीसीआई डॉट टीवी'से कहा, '' बेहद खास महसूस हो रहा है।'' उन्होंने कहा,'' मैं फिर से मौका मिलने पर बहुत आभारी और भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। मैं इस अवसर को दोनों हाथों से लपकने के लिए तैयार हू। टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय नायर ने आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी की है। भारत ए टीम में शामिल खिलाड़ी जब सीनियर टीम के साथ जुड़े तो मुख्य कोच गौतम गंभीर ने नायर की वापसी को बेहद खास करार दिया। उन्होंने 'टीम हडल' में कहा, '' वापसी करना कभी आसान नहीं होता। आपने जितने रन बनाए हैं, आपकी कभी हार न मानने वाली सोच पूरी टीम के लिए प्रेरणादायक है। स्वागत है करुण नायर।'' नायर के लंबे समय के साथ लोकेश राहुल ने भी उनकी दृढ़ता की तारीफ की। नायर के साथ अंडर-14 के दिनों से क्रिकेट खेलते आ रहे राहुल ने कहा, मैं उन्हें बहुत लंबे समय से जानता हूं।

सुरुचि सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

म्यूनिख/भाषा। उभरती हुई भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में जीत के साथ आईएसएसएफ विश्व कप की इस स्पर्धा में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता।

अपने तीसरे विश्व कप में भाग ले रही इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की तथा कुल मिलाकर चौथा पदक जीता। उन्होंने इससे पहले अप्रैल में ब्यूनस आयर्स और लीमा विश्व कप में स्वर्ण जीते थे। सुरुचि ने फाइनल में 241.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन की कांस्य पदक विजेता कियानक्सुन याओ (221.7) को पछाड़ने के तुरंत बाद सुरुचि ने 10.5 अंक के साथ बढ़त हासिल कर ली, जबकि फ्रांस की रजत विजेता कैमिली

जेड्रेजेवस्की (241.7) सिर्फ 9.5 अंक का ही निशाना साध पायी। अंतिम प्रयास में 9.5 का स्कोर भारतीय खिलाड़ी के लिए शीर्ष पुरस्कार हासिल करने के लिए पर्याप्त था, क्योंकि जेड्रेजेवस्की ने 9.8 का ही स्कोर किया था। सुरुचि इससे पहले क्वालीफिकेशन में 588 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर 574 अंक के साथ 25वें स्थान पर रहीं। फाइनल मुकाबले के दौरान कमेंट्री कर रहीं भाकर ने अपनी हमवतन के स्वर्ण पदक जीतने पर खुशी जाहिर की।

सुविचार

प्यार में सिर्फ देना और लेना नहीं होता, राधा और कृष्ण ने यह सिखाया कि प्रेम में बस होना ही पर्याप्त है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षित बनाएं हवाई सफर

गुजरात के अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में 260 से ज्यादा लोगों की मौत होना अत्यंत दु:खद है। घटना स्थल की कुछ तस्वीरें तो ऐसी हैं, जिन्हें देखकर दिल दहल जाता है। यह दुर्घटना कई परिवारों को ऐसी अप्रिय यादें दे गई, जिन्हें वे भुला नहीं पाएंगे। उनके दु:ख में पूरा देश शामिल है। यह दुर्घटना क्यों हुई, कैसे हुई, क्या कोई तकनीकी खराबी आ गई या कोई बाह्य कारण था? ऐसे अनगिनत सवाल सबके मन में हैं। यह हाल के वर्षों में हुई सबसे बड़ी हवाई दुर्घटना है। इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। एअर इंडिया के इस विमान के साथ ऐसा क्या हुआ कि यह उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद जमीन पर आ गिरा? जब कोई विमान हवाईअड्डे से अगली उड़ान के लिए तैयार होता है तो उसकी जांच की जाती है। उसकी तकनीकी क्षमता का निरीक्षण करने के बाद ही उड़ने की अनुमति मिलती है। विमान के दोनों पायलट भी बहुत अनुभवी थे। उन्होंने इसे बचाने के लिए आखिर तक पूरी कोशिश की होगी। क्या विमान में इंजन फेलियर या कॉन्फिगरेशन एरर जैसी समस्या पैदा हुई? मेडे कॉल के तुरंत बाद संपर्क टूटना और विमान का संतुलन बिगड़ना किसी गंभीर त्रुटि की ओर संकेत करता है। एअर इंडिया के विमानों के रखरखाव को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। जिन यात्रियों ने उक्त विमान से पहले यात्रा की थी, उनका दावा है कि एसी और केबिन क्रू बटन काम नहीं कर रहे थे। बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर की सुरक्षा से जुड़े सवाल कई बार सुर्खियों में रहे हैं। क्या यह मॉडल डिज़ाइन और गुणवत्ता की ऐसी समस्याओं से जूझ रहा है, जिनकी ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया?

अब सोशल मीडिया पर कई लोग अपने अनुभव साझा कर रहे हैं कि उन्होंने तो पहले ही बता दिया था, लेकिन तब किसी ने उनके शब्दों को महत्त्व नहीं दिया। एक मशहूर यूट्यूबर का यह दावा भी कई सवाल खड़े करता है कि उन्होंने तीन महीने पहले अपने वीडियो में इसी विमान की हालत बयान की थी, लेकिन न तो किसी ने गंभीरता से लिया और न ही सुधार की दिशा में कोई कदम उठाया गया। उनका दावा है कि विमान से 'खड़–खड़' जैसी आवाज आ रही थी, रिक्लाइनर सीट ठीक नहीं थी। सहयात्रियों ने भी शिकायत की थी। इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसी तरह एक और यूट्यूबर का यह दावा सुरक्षा संबंधी इंतजामों पर सवाल उठाता है कि उन्होंने मई 2020 में किसी एअरलाइन के खिलाफ उड़ान सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चिंताएं जताई थीं। जांच में खामियां पाई गईं और दो शीर्ष अधिकारियों को निलंबित किया गया। यूट्यूबर ने फ्लाइट ऑपरेशन्स से जुड़े एक अधिकारी की 'कार्यशैली' का जिक्र किया। क्या हमारे देश के विभिन्न हवाईअड्डों से उड़ान भर रहे कुछ विमानों में सुरक्षा संबंधी खामियां हैं? क्या संबंधित कंपनियां समय रहते उनकी ओर ध्यान नहीं दे रही हैं? क्या लोगों के जीवन को जोखिम में डाला जा रहा है? देशवासी इन सवालों के जवाब जानना चाहते हैं। लोग विमानों से यात्रा करने के लिए किराया देकर टिकट खरीदते हैं। उनका इतना अधिकार तो बनता ही है कि विमान तकनीकी दृष्टि से पूरी तरह सक्षम और सुरक्षित हो। बेशक हवाई सफर के साथ कुछ जोखिम जुड़े होते हैं, लेकिन विमान के उचित रखरखाव, तकनीकी सुधार और अधिकारियों की सजगता से उन्हें कम किया जा सकता है। अब विमानों के सुरक्षा संबंधी पहलू पर खास ध्यान देना चाहिए। देश में फिर कोई विमान हादसा न हो।

ट्वीटर टॉक

अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को यह असीम पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

–भजनलाल शर्मा

कल अहमदाबाद में हुई दर्दनाक विमान दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। यह दुर्घटना हम सभी के लिए गहरी पीड़ा और शोक का कारण बनी है। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उन्हें मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

–ओम बिरला

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। वे भाजपा संगठन के सच्चे सिपाही और कर्तव्यनिष्ठ जनसेवक थे। रूपाणी जी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है।

–जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

संवेदना का संकल्प

एक बहेलिया पक्षियों को जाल में फंसाकर उन्हें बेचकर अपने परिवार का जीवन–यापन करता था। एक बार श्रावक मुनि विचरण करते हुए उस क्षेत्र में आ पहुंचे। बहेलिया उनके दर्शनों के लिए पहुंचा। उसने उनके प्रवचन से प्रभावित होकर दीक्षा देने का अनुरोध किया। श्रावक मुनि ने कहा, 'तुम्हें अहिंसा पालन का संकल्प लेना होगा।' बहेलिया बोला, महाराज, मेरी आजीविका का साधन ही पक्षी हैं। मैं अहिंसा का व्रत कैसे ले सकता हूं?' श्रावक मुनि ने कहा, 'कम से कम किसी एक पक्षी के प्रति अहिंसा बरतने का संकल्प ले लो।' उसने कहा, ' मैं कौए को न पकड़ूंगा, न उसकी हत्या करूंगा।' मुनि ने उसे आंशिक अहिंसा व्रत दिला दिया। घर पहुंचते ही उसके मस्तिष्क में आया कि जो प्राण कौवे में हैं वही प्राण चिड़िया और मुर्गे में भी हैं। यदि मैं कौवे की हत्या को हिंसा और पाप मान चुका हूं तो अन्य पक्षियों की हत्या में हिंसा कैसे नहीं होगी? विचारों की इसी उधेड़बुन में वह रात भर सो नहीं पाया। सवेरे उठकर वह श्रावक मुनि के पास पहुंचा तथा उनके सामने पक्षियों को पकड़ने का जाल फेंकते हुए बोला, 'मुनिवर, मैं अब भविष्य में किसी भी प्राणी की हत्या नहीं करूंगा।

सामयिक

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बनें

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान–महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान दान है, जो किसी को जीवन–दान देने के साथ हमें स्वर्ग–पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है रक्त दें, आशा दें– साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन–परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत–पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है।

रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर इज़राइल का आक्रमक संघर्ष शुरू

डॉ. एस. डी. वैष्णव

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका और इज़राइल लगातार ईरान को चेतावनी दे रहे थे। पिछले वर्ष तेहरान पर अपने बम वर्षक विमानों से हमला करके इज़राइल ने वहाँ हड़कंप मचा दिया था। ऑपरेशन नेशन ऑफ लायंस' के तहत एक बार फिर इज़राइल ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल साइटस पर बारूद बरसा कर अपने मनसूबे साफ़ कर दिए हैं। इस बार तेहरान पर हुए हमले में इज़राइल ने ईरान के आर्मी चीफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड क्रॉप्स के कमांडर–इन–चीफ हुसैन सलामी के साथ परमाणु वैज्ञानिक डॉ. फ़ारेदून अब्बासी–दावानी और डॉ. तेहरांची के मारे जाने की पुष्टि की है। इज़राइल हमेशा सुनियोजित और पूरी तैयारी के साथ हमले करता है, जिसमें मोसाद की अहम भूमिका रहती है, यह उसी का परिणाम है।

ईरान पर किए गए हमले के बाद ईरान की जवाबी करवाई की आशंका के चलते इज़राइल में इमरजेंसी घोषित की गई है। ईरान के लिए यह हमला निश्चित रूप से बड़ी क्षति है। और यह तय है कि वह जवाबी कार्रवाई अवश्य करेगा। ईरान के साथ इराक ने भी अपना एयर स्पेस बंद कर दिया है। उधर इज़राइल के रक्षा मंत्री इज़राइल कैट्स ने कहा है कि हम ईरान के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगे। इज़राइल और ईरान के बीच लंबे समय से जो जुबानी जंग चल रही थी; वह अब बारूदी जंग में बदल गई है। ईरान के इतने महत्वपूर्ण लोगों का एक साथ हमले में मारा जाना ईरान के सुरक्षा और खुफिया तंत्र पर सवाल खड़े करता हैं। इज़राइल के लिए निश्चित रूप से यह एक रणनीतिक जीत कही जाएगी।

ईरानी सेना प्रमुख जनरल मोहम्मद बाघेरी को ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) के साथ रणनीतिक और परमाणु नीति निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते देखा जाता रहा है। ईरान के इतने बड़े और महत्वपूर्ण पद पर बैठे अधिकारी के मारे जाने से मध्य–पूर्व में युद्ध की आग निश्चित रूप से और बढ़ेगी। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु संवर्धन संधि को लेकर अलग–अलग देश में बैठकें जारी थीं और यह बातचीत किसी निर्णय पर नहीं पहुँच पा रही थी। अमेरिका इज़राइल को ईरान के परमाणु साइटस पर हमले न करने के लिए लगातार रोक रहा था। हमले के बाद अमेरिका ने कहा है कि इस हमले में उनका कोई हाथ नहीं है। लेकिन ईरान इस हमले को अमेरिका की ओर से उकसावे की रणनीति मानता है।

आज जिस युद्धाक्रांत समय के साये में हम जी रहे हैं, वहाँ से सिर्फ भय और टकराहट की लपटें उठती नज़र आती है। उधर रूस–यूक्रेन युद्ध का अंत होता दिख नहीं रहा है। गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया पर इज़राइली बारूद लगातार बरस रहा है। मेरे ज़ेहन में इज़राइल का अरब देशों के साथ हुआ 6 दिन का संघर्ष जिसमें इज़रायल की जीत हुई थी और इज़राइल द्वारा अपने अपहृत नागरिकों को वापस लाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन 'थंडरबोल्ट' की याद ताज़ा है। इज़राइल अपने विरोधियों के खिलाफ हर मोर्चे पर आक्रामक रुख अख्तियार करता रहा है। इस बार मध्य–पूर्व में यदि युद्ध विस्तारित हुआ, तो वैश्विक महाशक्तियाँ इस जंग में अपने कदम अवश्य रखेगी। आईडीएफ, मोसाद और अमेरिकी बैकअप इज़राइल की ताकत है, इसलिए मध्य–पूर्व में इज़राइल किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा।

बहरहाल, विचलित करने वाला यह समय हमें भीतर तक झकझोरता है। वैश्विक शांति के लिए महाशक्तियों को अपनी साम्राज्य विस्तार की नीतियों पर भी लगाम लगानी होंगी। जय–पराजय का यह समर किस मोड़ पर जाकर रुकेगा, अभी कहा नहीं जा सकता। लेकिन, दो महायुद्धों के बीच जन्मी जयशंकर प्रसाद की कामायनी का यह छंद मनुष्यता के पक्ष में खड़ा नजर आता है– 'दुख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात' इस बात का यकीन दिलाता है कि दुख की पिछली रजनी को लांगकर, कभी न कभी सुख का नवल प्रभात अवश्य खिलेगा और उस दिन सारा विश्व समरसता की गूँज से भर उठेगा।

नजरिया

आधुनिक भारतीय पिता की बदलती भूमिका और उनकी उपेक्षा

अम्बिका कुशवाहा अम्बी

मोबाइल : 7070769339

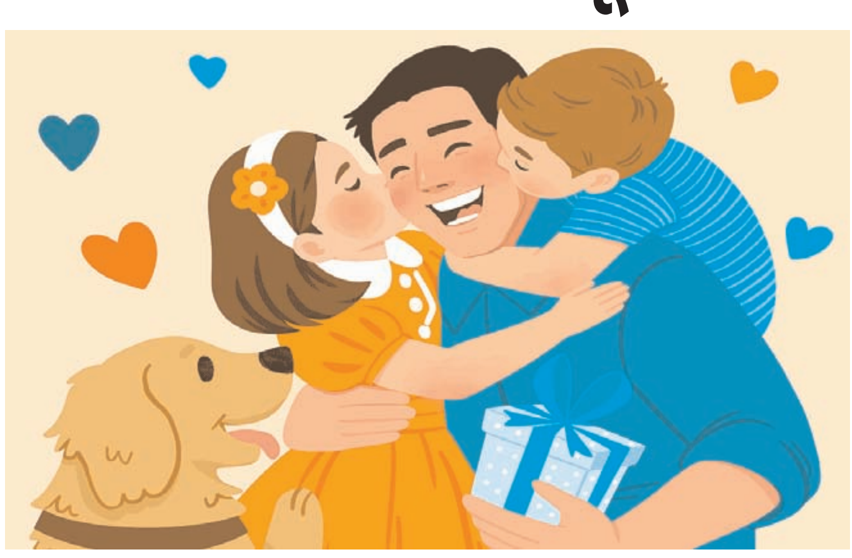

हमारे समाज में माता–पिता की भूमिका को लंबे समय तक एक रूढ़िगत दायरे में देखा गया है। पिता को घर का मुखिया, आर्थिक आधार, और अनुशासक माना गया। भारतीय समाज में पिता को अक्सर वह व्यक्ति माना जाता था, जो परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए दिन–रात मेहनत करता है, लेकिन भावनात्मक रूप से दूरी बनाए रखता है। वही मां की जिम्मेदारी रसोई से लेकर परिवार की सेवा तक घर के अंदर सीमित रखा गया।

भारतीय संस्कृति में माताओं को पूजनीय माना गया, और उनकी मेहनत, त्याग, और बलिदान की गाथाएँ पीढ़ियों से गूँजती रही हैं। हालाँकि, आधुनिक समय में यह परिभाषा तेजी से बदल रही है। आज का पिता न केवल आर्थिक स्तंभ है, बल्कि भावनात्मक समर्थन, लैंगिक समानता का समर्थक, और घरेलू जिम्मेदारियों में सक्रिय भागीदार भी है। वही महिलाएं भी घर से बाहर समाज, राजनीति एवं आर्थिक क्षेत्र में भागीदार बन रही है। फिर भी, इस बदलाव के बीच पिता की उपेक्षा एक हकीकत है।

आधुनिक पिता अब केवल परिवार का आर्थिक रक्षक नहीं है। वह बच्चों का दोस्त, मार्गदर्शक, और भावनात्मक सहारा बन रहा है। वह बच्चों के साथ समय बिताता है, उनकी भावनाओं को समझता है, और उनकी रुचियों को प्रोत्साहित करता है। पिता अब लैंगिक समानता के प्रबल समर्थक भी हैं। वे बेटियों को खेल, विज्ञान, या तकनीक जैसे क्षेत्रों में प्रोत्साहित करते हैं और बेटों को घर के कामों में भाग लेना सिखाते हैं। साथ ही, वे घरेलू जिम्मेदारियों में सक्रिय हैं– खाना बनाने से लेकर बच्चों को स्कूल छोड़ने तक। एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 62 प्रतिशत शहरी पिता घर के कामों में नियमित रूप से योगदान करते हैं। यह बदलाव न केवल परिवारों में समानता को बढ़ावा देता है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। हालाँकि पिता की भूमिका में यह सकारात्मक बदलाव आया है, लेकिन उनकी मेहनत और योगदान को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है। भारतीय संस्कृति में माताओं के त्याग और बलिदान की कहानियाँ तो खूब सुनाई जाती हैं, लेकिन पिता के संघर्ष और समर्पण को उतना महत्व नहीं दिया जाता। पिता को परिवार का मजबूत आधार मानकर उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतों को अनदेखा कर दिया जाता है। समाज की यह अपेक्षा कि पिता को हमेशा मजबूत रहना चाहिए उनके लिए एक अदृश्य बोझ है। समाज में अवधारणा बनी हुई है कि, जो महिलाएं घर परिवार संभालती है, कड़ी मेहनत सिर्फ वो करती है बाकी मर्द जो कमाकर घर आता है, उनकी मेहनत कम होती है।

भारतीय पिता अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते हैं। मर्द को दर्द नहीं होता जैसी रूढ़ियाँ उन्हें अपनी कमजोरियों या तनाव को छिपाने के लिए मजबूर करती हैं। आधुनिक पिता से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल आर्थिक जिम्मेदारियाँ निभाए, बल्कि भावनात्मक रूप से उपलब्ध हो, घर के कामों में मदद करे, और बच्चों की परवरिश में सक्रिय रहे। यह तभी संभव है, जब महिलाएं भी आर्थिक जिम्मेदारी में बराबरी की जिम्मेदार और हिस्सेदार बने। माताओं की तुलना में पिताओं की मेहनत को कम सराहा जाता है। माँ का त्याग और प्रेम तो कविताओं, गीतों, और सिनेमा में अमर है, लेकिन पिता के संघर्ष को अक्सर सामान्य मान लिया जाता है। फादर डे जैसे अवसर भी मदर डे की तुलना में कम उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। यह असंतुलन पिताओं को यह महसूस कराता है कि उनके योगदान को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता।

भारतीय पिता को कानूनी एवं सामाजिक भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। तलाक या पारिवारिक विवादों में पिताओं को अक्सर बच्चों की कस्टडी या भावनात्मक रिश्ते में कम प्राथमिकता दी जाती है। भारतीय कानून और सामाजिक धारणाएँ माँ को प्राथमिक देखभालकर्ता मानती हैं, जिससे पिता अपने बच्चों से दूर हो सकते हैं। यह उनके लिए भावनात्मक और मानसिक रूप से कष्टकारी होता है।

पिता की उपेक्षा का असर न केवल उन पर, बल्कि परिवार और समाज पर भी पड़ता है। जब पिता की भावनात्मक जरूरतों को अनदेखा किया जाता है, तो वे तनाव, अवसाद, या अलगाव का शिकार हो सकते हैं। इससे परिवार में संवाद की कमी और रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है। बच्चे भी पिता के साथ गहरे भावनात्मक रिश्ते से वंचित रह सकते हैं, जो उनके व्यक्तित्व विकास पर असर डालता है। समाज में भी, पिता की अनदेखी लैंगिक रूढ़ियों को और मजबूत करती है, जिससे पुरुषों के लिए अपनी भावनाएँ व्यक्त करना और मुश्किल हो जाता है। फिर भी, समाज में अपनी जगह बनाने का सबसे मजबूत पक्ष पिता होता है। आज का पिता न केवल परिवार की नींव है, बल्कि भावनात्मक सहारा, लैंगिक समानता का समर्थक, और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। हम पिताओं के योगदान को न केवल सराहें, बल्कि उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतों को भी समझें। एक ऐसा समाज बनाएँ, जहाँ पिता को न केवल मजबूत बल्कि संवेदनशील और सम्मान के रूप में भी देखा जाए। क्योंकि पिता भी उतने ही पूजनीय हैं, जितना कि माँ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

युवा पीढ़ी में बढ़ रहा है अपेंडिक्स कैंसर का खतरा : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

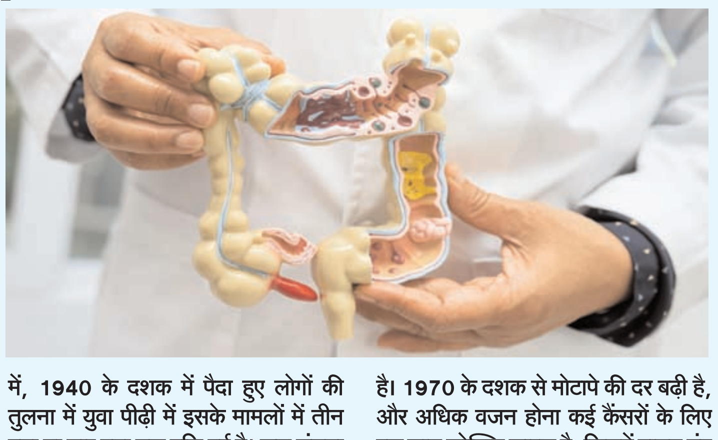

कैम्ब्रिज।। अपेंडिक्स कैंसर एक ऐसी स्थिति है, जो हाल तक इतनी दुर्लभ थी कि ज्यादातर लोग इसके बारे में नहीं सोचते थे। दशकों तक, यह ऐसी बीमारी थी जिसका डॉक्टरों को करियर में एक या दो बार ही सामना करना पड़ता था, और यह अक्सर वृद्धों को होती थी।

लेकिन अब एक आश्चर्यजनक और चिंताजनक प्रवृत्ति उभर रही है: अपेंडिक्स कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, और यह तेजी से 30, 40 साल और यहां तक कि कम उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। इस बदलाव ने कई विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है और वे इसका जवाब खोज रहे हैं।

अपेंडिक्स बड़ी आंत से जुड़ी एक छोटी, उंगली के आकार की थैली होती है। शरीर में इसके उद्देश्य पर अब भी बहस होती है, लेकिन यह अपेंडिसाइटिस यानी एक दर्दनाक सूजन का कारण बनने के लिए सबसे ज्यादा जानी जाती है। 'एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चला है कि 1970 के दशक के बाद पैदा हुए लोगों में अपेंडिक्स कैंसर के मामलों की संख्या में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है। वास्तव में, 1940 के दशक में पैदा हुए लोगों की तुलना में युवा पीढ़ी में इसके मामलों में तीन गुना या चार गुना तक वृद्धि हुई है। कुल संख्या अब भी कम है क्योंकि अपेंडिक्स कैंसर हर साल प्रति दस लाख में से बहुत कम लोगों को होता है। लेकिन जितनी भी वृद्धि हो रही है, वह चौंकाने वाली है। इससे भी अधिक उल्लेखनीय बात यह है कि अब लगभग तीन में से एक मामला 50 से कम उम्र के वयस्कों में होता है, जो अन्य प्रकार के गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर की तुलना में बहुत अधिक अनुपात है। इसका कारण कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता, लेकिन सबसे पहले आशंका है कि अपेंडिक्स कैंसर के बढ़ते मामलों का कारण एक पिछले कई दशकों में जीवनशैली और पर्यावरण में नाटकीय बदलाव है। 1970 के दशक से मोटापे की दर बढ़ी है, और अधिक वजन होना कई कैंसरों के लिए एक ज्ञात जोखिम कारक है, जिसमें पाचन तंत्र के कैंसर भी शामिल हैं।

इसके अलावा, आहार में अधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, शर्करा युक्त पेय और लाल या प्रसंस्कृत मांस की ओर झुकाव है, जिनमें से सभी को आंत के अन्य भागों में कैंसर के बढ़ते जोखिम से जोड़ा गया है। शारीरिक गतिविधि में भी गिरावट आई है, और अधिक लोग डेस्क पर या स्क्रीन के सामने बैठकर लंबे समय तक समय बिताते हैं। एक और अनुमान यह है कि हम नए पर्यावरणीय कारकों के संपर्क में आ रहे हैं जिनका सामना पिछली पीढ़ियों ने नहीं किया था। खाद्य उत्पादन का औद्योगिकीकरण, प्लास्टिक और रसायनों का व्यापक उपयोग, और पानी की गुणवत्ता में परिवर्तन सभी एक भूमिका निभा सकते हैं। हालाँकि, सबूत अब भी अपने शुरुआती चरण में हैं। बीमारी का पता लगाना मुश्किल है। अपेंडिक्स कैंसर को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनाने वाली बात यह है कि इसका पता लगाना कितना मुश्किल है। कोलन कैंसर को तो कभी-कभी स्क्रीनिंग कोलोनोस्कोपी के माध्यम से जल्दी पता लगाया जा सकता है, लेकिन इसके विपरीत अपेंडिक्स कैंसर का पता आसानी से नहीं चलता है। अगर लक्षण दिखाई भी देते हैं, तो वह अस्पष्ट और आसानी से खारिज करने योग्य होते हैं। लोगों को हल्का पेट दर्द, सूजन या मल त्याग की आदतों में बदलाव का अनुभव हो सकता है, जो कई स्थितियों के लिए आम शिकायतें हैं। नतीजतन, अधिकांश मामलों का पता केवल संदिग्ध अपेंडिसाइटिस के लिए सर्जरी के बाद ही चलता है, जब अक्सर शुरुआती हस्तक्षेप के लिए बहुत देर हो चुकी होती है।

मामलों में वृद्धि के बावजूद, अपेंडिक्स कैंसर के लिए कोई नियमित स्क्रीनिंग टेस्ट नहीं है। यह बीमारी व्यापक स्क्रीनिंग के लिहाज से बहुत दुर्लभ है, और मानक इमेजिंग या एंडोस्कोपी के माध्यम से अपेंडिक्स को देखना मुश्किल हो सकता है। इसका मतलब यह है कि मरीजों और डॉक्टरों दोनों को अतिरिक्त सतर्क रहने की जरूरत है।

उम्र बढ़ने को नकारात्मकता की भावनाओं से जोड़कर देखते हैं 54 फीसदी बुजुर्ग

नई दिल्ली/भाषा। करीब 54 प्रतिशत बुजुर्ग उम्र बढ़ने (वृद्धावस्था) को नकारात्मक भावनाओं से जोड़कर देखते हैं जिनमें अकेलापन (47 प्रतिशत) सबसे आम भावना है। शुक्रवार को जारी की गयी एक सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आयी है।

'हेल्पएज इंडिया' के 'पीढ़ियों के बीच संबंधों की प्रक्रिया और वृद्धावस्था पर धारणाओं को समझना' विषयक अध्ययन ने परिवार में निरंतर संवाद के बावजूद भारत के बुजुर्गों की भावनात्मक जरूरतों और युवाओं की धारणाओं के बीच अंतर को उजागर किया है।

इस सर्वेक्षण के दौरान 10 शहरों में 5,798 उत्तरदाताओं (18-30 वर्ष की आयु के 70 प्रतिशत युवा, 60 वर्ष से अधिक आयु के 30 प्रतिशत बुजुर्ग) के साथ बातचीत की गयी।

इस सर्वेक्षण रिपोर्ट में शहरी बुजुर्गों के सामने अकेलेपन, डिजिटल पहुंच का अभाव और घटते सम्मान की चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है, जबकि युवा उनकी बुद्धिमत्ता की प्रशंसा भी करते हैं। पंद्रह जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस से पहले जारी किए गए इस अध्ययन में शहरी मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के परिवारों को शामिल किया गया। इसमें पाया गया कि 54 प्रतिशत बुजुर्ग शीघ्र उम्र बढ़ने को नकारात्मक भावनाओं से जोड़कर देखते हैं, जिसमें अकेलापन सबसे अधिक प्रचलित भावना है।

हालांकि युवाओं में 56 प्रतिशत बुज़ुर्गों को 'अकेला' और 51 प्रतिशत उन्हें 'बुद्धिमान' मानते हैं, फिर भी वे अक्सर उनकी इस पीड़ा की गहराई को कमतर आंकते हैं।

विषय केंद्रित समूह चर्चा के दौरान मदुरै के एक बुजुर्ग ने कहा, ''हमें योजना के बारे में बताया जाता है, हमसे पूछा नहीं जाता।

'वसुधा' में राजस्थानी दुल्हन बनी मनदीप कौर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मनदीप कौर टीवी शो 'वसुधा' में एक राजस्थानी दुल्हन का किरदार निभा रही हैं और दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि वह इस लुक को लेकर सच में बहुत उत्साहित थीं, क्योंकि यह पहली बार है, जब वह ऐसा लुक अपना रही हैं। हाल के एपिसोड में, मेघा का किरदार निभा रहीं मनदीप कौर ने एक राजसी राजस्थानी दुल्हन का रूप अपनाया। मनदीप कौर ने कहा, यह पहली बार था जब मैंने राजस्थानी दुल्हन का लुक अपनाया। मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मैंने क्रिएटिव टीम के साथ बैठकर समझा कि वे मेघा के लुक को कैसे दिखाना चाहते हैं और मैंने भी कुछ सुझाव दिए। एक्ट्रेस ने गहरे लाल रंग का लहंगा पहना, जिस पर सुंदर और बारीक सुनहरी कढ़ाई की गई थी। उन्होंने पारंपरिक राजस्थानी स्टाइल का दुपट्टा भी कैरी किया था। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने पारंपरिक कुंदन गहने पहने, जिनमें नथ, चोकर, कई हार, बोरला मांग टीका, चूड़ियां और कमरबंध शामिल थे। मनदीप ने कहा, मुझे लगा कि कमरबंध और पारंपरिक तरीके से दुपट्टा पहनना लुक को और भी असली बनाएगा। जब मैंने अपने आप को आईने में देखा, तो ऐसा लगा जैसे कोई सपना सच हो गया हो। भले ही कपड़े भारी और कई परतों वाले थे, लेकिन किरदार में जाने से सब कुछ बहुत खूबसूरती से जुड़ गया। यह मेरे सामान्य लुक से एक ताजा बदलाव था, और मुझे बहुत पसंद आया कि यह लुक कितना पारंपरिक और शाही लग रहा था। 'वसुधा' की मुख्य भूमिका में प्रिया ठाकुर हैं। वह हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। उन्होंने 'सांझा सूफना', 'मोहरे' और 'प्रचंड अशोका' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है। वहीं, नुशीन अली सरदार और अभिषेक शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। नुशीन के बारे में बात करें तो उन्हें 'कुसुम' सीरियल से लोकप्रियता हासिल हुई। अभिषेक 'निमकी मुखिया', 'इमली' और 'निमकी विधायक' जैसे शो में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

दूसरी बार 'आयरनमैन' रेस में उतरने की तैयारी कर रही है सैयामी खेर

मुंबई/एजेन्सी

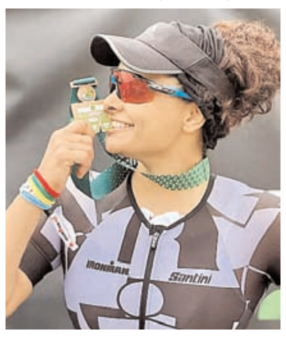

बॉलीवुड अभिनेत्री और एथलीट सैयामी खेर दूसरी बार 'आयरनमैन' रेस में उतरने की तैयारी कर रही है। सैयामी खेर इन दिनों जबरदस्त मेहनत कर रही हैं क्योंकि वह आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन के लिए कमर कस चुकी हैं। खेलों के प्रति अपनी दीवानगी के लिए पहचानी जाने वाली सैयामी हमेशा से ही अभिनय और फिटनेस दोनों को बैलेंस करती रही हैं, लेकिन इस बार उनका ट्रेनिंग लेवल सबको हैरान कर रहा है। वह आए दिन अपने सोशल मीडिया पर ट्रेनिंग की झलकियाँ शेयर कर रही हैं, जिनसे साफ पता चलता है कि वो कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

उनकी ट्रेनिंग में शामिल हैं: ट्रेडमिल पर 10.03 किमी की दौड़ (7:00 प्रति किमी की रफ्तार से) जिसे उन्होंने 1:10:10 में पूरा किया, फिर मुंबई में 40.43 किमी साइकलिंग (1:34:52 में, 25.6 किमी/घंटा की एवरेज स्पीड से), और उसके बाद 1,500 मीटर की स्विमिंग (37:50 में, 100 मीटर प्रति 2:31 की रफ्तार से)। ये थकाऊ तीनों अभ्यासों का मिला-जुला सेशन आयरनमैन 70.3 के लिए एक मजबूत तैयारी को दर्शाता है। सैयामी ने कहा कि वह अपनी स्पीड, ताकत और सहनशक्ति को और बढ़ाना चाहती हैं। यही सोच चैंपियंस को खास बनाती है और लाखों लोगों को प्रेरित करती है। अपनी तैयारी के बारे में सैयामी ने कहा, एक कलाकार के तौर पर भी काफी फिजिकल और इमोशनल मेहनत लगती है। ऐसे में आयरनमैन 70.3 जैसी रेस की तैयारी करना, खासकर शूटिंग या ट्रैवल के बीच, बहुत ही मुश्किल है। लेकिन मुझे कभी भी कोई काम अधूरा करना पसंद नहीं रहा। ये रेस सिर्फ शरीर का नहीं, दिमाग का भी टेस्ट है। जब मैंने रजिस्ट्रेशन किया था तब रेस का रूट अलग था, लेकिन अब यह हिल रूट हो गया है जिसमें काफी चढ़ाइयाँ हैं। मुझे पता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी है... ये रेस पिछले साल से कहीं ज़्यादा मुश्किल है। इसलिए इस बार मुझे और ज्यादा एफर्ट डालना पड़ेगा। काम और ट्रेनिंग को बैलेंस करना मुश्किल होता है। लेकिन आसान कुछ भी नहीं होता।

साक्ष्य

फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम शुक्रवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के दुर्घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र करती हुए।

बेंगलूरु: वंडरला ने शानदार बुटीक प्रीमियम एक्वा-रिट्रीट 'द आइल बाय वंडरला' लॉन्च किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वंडरला हॉलिडेज लि. ने शुक्रवार को 'द आइल बाय वंडरला' को लॉन्च किया, जो पानी के बीच एक शांत बुटीक रिट्रीट है। यह वंडरला बेंगलूरु कैंपस के पास स्थित है। साढ़े चार एकड़ में फैले और 39-की रिसॉर्ट में प्राइवेट पूल कॉटेज, ग्लैम्पिंग टेंट, हैमॉक सुइट्स और ट्रीहाउस, लक्जरी स्पा और पेट-फ्रेंडली सुविधाएं हैं। लगभग 39 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित 'द आइल' को शहरी परिवारों, लॉन्ग स्टे करने वाले मेहमानों, शादियों और कॉर्पोरेट रिट्रीट के लिए डिज़ाइन की गई पेशकश के तौर पर बनाया गया है। एंटरटेनमेंट, स्टे और नेचर को एक ब्रांड इको सिस्टम के तहत सहजता से जोड़ते हुए 'द आइल' वंडरला की शानदार मेहमान-नवाजी के जरिए अपने पार्क एक्सपीरियंस को बढ़ाने के इरादे को दर्शाता है। इसे ग्लोबल और भारतीय ट्रेवल व्यवहार के साथ तैयार किया गया है।

यहां गेस्ट प्राइवेट पूल, हैमॉक कॉटेज, लैगून-व्यू डेक, ग्लैम्पिंग टेंट और स्टारलाइट रूम्स में से चयन कर सकते हैं। खानपान सुविधा के लिए 62 सीटों वाला ओपन मल्टी-कुजीन रेस्टोरेंट स्पाइस कोव है। इसके अलावा ओएसिस भी है, जिसका शांत माहौल सुकून देनेवाला है। इस अवसर पर वंडरला हॉलिडेज़ लि. के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अरुण के चिट्टिलापिल्ली ने कहा, 'हम वंडरला के 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हमारे पार्क हाई एनर्जी एंटरटेनमेंट और साझा आनंद के पर्याय बन गए हैं। 'द आइल' एक शानदार और शांत वातावरण की कमी को पूरा करता है।' उन्होंने कहा, 'हमें एक ऐसे मॉडल का नेतृत्व करने पर गर्व है, जो हमारे मेहमानों के लिए डिज़ाइन किया गया है, हमारी वैल्यूज पर आधारित है और आज की लाइफ स्टाइल के लिए बनाया गया है। यह सिर्फ एक नई पेशकश नहीं है। यह वंडरला के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है।'

मुख्य परिचालन अधिकारी धीरन चौधरी ने कहा, 'द आइल बाय वंडरला के साथ हमने एक ऐसा स्टे एक्सपीरियंस बनाने का लक्ष्य रखा है, जो कि गहन, उद्देश्यपूर्ण और मेहमानों की बदलती अपेक्षाओं को गहराई से प्रतिबिंबित करता हो। चाहे प्राइवेट प्लंज पूल में आराम करना हो, स्टारलाइट रूम्स में तारों को निहारना हो, ट्री हाउस में सनसेट का आनंद लेना हो या हमारे ओपन रेस्टोरेंट में भोजन करना हो ... यहां सबकुछ शानदार और अद्भुत है।'

अहमदाबाद विमान हादसे पर अमिताभ बच्चन ने किया पोस्ट, यूजर्स बोले- 'आप 24 घंटे लेट हो बंधु'

मुंबई/एजेन्सी

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए एयर इंडिया के विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस दुखद घटना पर हर कोई शोक जता रहा है। आम लोगों से लेकर बॉलीवुड हस्तियां भी इस हादसे पर अपना दुख जाहिर कर रही हैं। हादसे के 24 घंटे बाद शुक्रवार को बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। लेकिन, वह ट्रोलर्स के हत्थे चढ़ गए। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''हे भगवान! हे भगवान! हे भगवान! स्तब्ध! सुन्न! ईश्वर कृपा! हृदय से प्रार्थनाएं!'' हादसे पर देर से पोस्ट करने पर वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए। एक यूजर ने कमेंट में लिखा- ''24 घंटे लेट हो आप बंधु'' वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा- ''आप ये जया जी से परेशान होकर कह रहे हैं या फिर विमान दुर्घटना के लिए कह रहे हैं, क्योंकि दुर्घटना को तो 24 घंटे से ज्यादा समय बीत गया है।'' अन्य यूजर ने लिखा- ''आपको आज पता चला है, इस हादसे के बारे में?'' एक अन्य यूजर ने तंज कसते हुए लिखा, ''थोड़ा और इंतजार कर लेना चाहिए था सर आपको, इतनी जल्दबाजी क्यों है, शांति से पोस्ट करते।''

एक अन्य शख्स ने कहा, ''घटना से स्तब्ध होकर बेहोश हो गए थे क्या सर? शायद अभी होश आया है तो आज ट्वीट कर रहे।'' बता दें कि गुरुवार दोपहर एयर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान टेकऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था, जिसकी फ्लाइट नंबर एआई-171 थी। यह विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के पास एक आवासीय इलाके में जा गिरा।

एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक बयान में दुर्घटना की पुष्टि की और लिखा, ''अपडेट: एयर इंडिया पुष्टि करता है कि फ्लाइट एआई171, जो अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही थी, 12 जून 2025 को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। 12 साल पुराने बोइंग 787-8 विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर थे। विमान ने अहमदाबाद से दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी। उड़ान के तुरंत बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हमें खेद है कि विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई है। केवल एक व्यक्ति बच पाया है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

केसरी चैप्टर 2 का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक यात्रा रही है : अनन्या पांडे

मुंबई/एजेन्सी

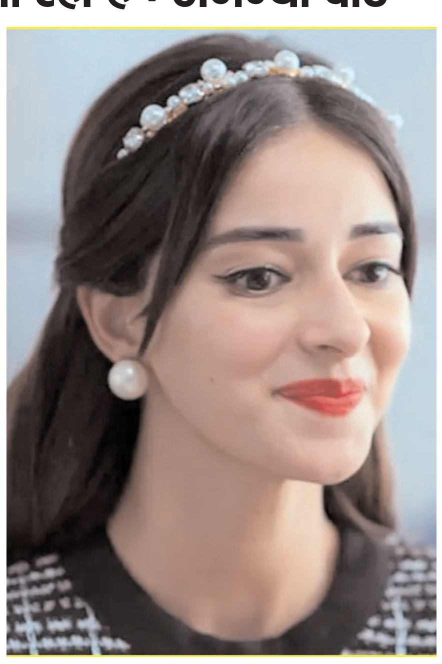

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि फिल्म केसरी चैप्टर 2 का हिस्सा बनना उनके लिये एक अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक यात्रा रही है। अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे जैसे सितारों से सजी फिल्म केसरी चैप्टर 2 ,13 जून से जियोहॉटस्टार पर विशेष रूप से स्ट्रीम होगी। यह फिल्म जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस फिल्म की कहानी वकील सी शंकरन नायर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्होंने ताकतवर ब्रिटिश साम्राज्य को अदालत में घसीटा था। वह इस सच्चाई को उजागर करना चाहते थे कि यह हत्याकांड एक जानबूझकर किया गया नरसंहार था। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने सी.शंकरण का किरदार निभाया है,जो जलियांवाला बाग हत्याकांड की सच्चाई को उजागर करने के लिए ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है।

वहीं, आर माधवन वकील नेविल मैककिनले की भूमिका में हैं जबकि अनन्या पांडे ने वकील दिलरीत गिल का किरदार निभाया है। अनन्या पांडे ने कहा, केसरी चैप्टर 2 का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक यात्रा रही है। मेरा किरदार भारी अन्याय के सामने आशा और दृढ़ संकल्प की किरण के रूप में खड़ा है।

यह फिल्म दुखद जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद सचाई के लिए अथक लड़ाई का सार प्रस्तुत करती है। यह एक ऐसी कहानी है जो आज भी गहराई से गूंजती है, जो हमें साहस और सामूहिक प्रतिरोध की शक्ति की याद दिलाती है। मुझे खुशी है कि यह मार्मिक कहानी 13 जून से पूरे भारत में दर्शकों के लिए जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। फिल्म केसरी चैप्टर 2 करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस, केप ऑफ गुड फिल्म्स और लियो मीडिया कलेक्टिव में हीरू यश जौहर, अरुणा भाटिया, करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी द्वारा निर्मित है।

'द बंगाल फाइल्स' का टीज़र रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री की आने वाली फिल्म द बंगाल फाइल्स का टीज़र रिलीज हो गया है। विवेक रंजन अग्निहोत्री जो अपनी बेबाक कहानियों और दमदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब द बंगाल फाइल्स: राइट टू लाइफ लेकर आ रहे हैं। इससे पहले वह द ताशकंद फाइल्स और द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में दे चुके हैं। यह फिल्म पहले द दिल्ली फाइल्स नाम से बन रही थी, लेकिन अब इसका नाम बदल दिया गया है। इस फिल्म के टीज़र में एक बार फिर हिंदुस्तान के बीते वक्त के डरावने पहलू की झलक मिलती है। द बंगाल फाइल्स को विवेक अग्निहोत्री ने लिखा है और इसे अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार जैसे कलाकार नज़र आएंगे। तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस प्रस्तुत यह फिल्म, विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स शामिल हैं।

फिल्म 'निकिता रॉय' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की आने वाली फिल्म 'निकिता रॉय' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में सोनाक्षी शैतान, भूत-प्रेत यानी सुपरनेचुरल ताकतों का सामने करती हुई दिखीं। फिल्म में परेश रावल भी एक अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं।

सोनाक्षी सिन्हा फिल्म 'निकिता रॉय' में एक जासूस की भूमिका में दिख रही हैं। निकिता का मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है, जो लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी हैं, जो निकिता को गाइड करते हैं। सोनाक्षी सिन्हा की सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म 'निकिता रॉय' की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ साझा की गई है। यह फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं। फिल्म को निक्की खेमचंद भगनानी ने प्रोड्यूस किया है। सोनाक्षी ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'एक ऐसी दुनिया में आइए, जहां हकीकत धुंधली और अज्ञात हावी हो जाता है। रोमांच और दिमाग घुमा देने वाले रहस्य के लिए तैयार हो जाइए। निकिता रॉय' को 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

मैसूरु में शुक्रवार को मैसूरु कोडगू लोकसभा क्षेत्र के सदस्य यदुवीर कृष्णा चामराजा वाडेयार ने अपने सांसद कार्यकाल का एक वर्ष पूरा किया। इस मौक़े पर जैन समाज के कांतिलाल जैन व गौतम सालेचा ने उनसे मुलाकात कर जैन समाज की ओर से सांसद को सम्मानित किया।

जनकनंदिनी सीता भारत की बेटी हैं, विदेशी नहीं : जगद्‌गुरु रामभद्राचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज की नौ-दिवसीय श्रीराम कथा में शुक्रवार को जनकनंदिनी माता सीता के जन्म की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि माता सीता का जन्म विदेश में नहीं बल्कि भारत में ही हुआ था। जो लोग उन्हें विदेशी बताते हैं वे गलत हैं। उनका जन्म वर्तमान में बिहार राज्य के मिथिलांचल में सीतामढ़ी जिले के अन्तर्गत आने वाले पुरौना गाँव में हुआ था, जिसका पुराना नाम पुण्यारण्य था। जन्म के पश्चात उनका लालन-पालन जनकपुर में हुआ था जो कि उस समय भारत में ही आता था। कालान्तर में वह नेपाल का हिस्सा बन गया, इसलिए माता सीता विदेशी नहीं अपितु भारतीय बेटी हैं।

संत रामभद्राचार्यजी ने कहा कि इसी तरह से माता सीता के जन्म को लेकर एक भ्रांति यह भी है कि उनका जन्म राजा जनक द्वारा खेत में हल जोतते समय मिले घड़े से हुआ था। यह सर्वथा गलत धारणा है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार जानकी जी धरती को चीर कर प्रकट हुई थी। महाराज जनक की कोई संतान नहीं थी।

उन्होंने अपने गुरु याज्ञवल्क्य से कहा कि गुरुदेव अब आप ही संतान प्राप्त का कोई उपाय बताएं। तब याज्ञवल्क्य जी ने उन्हें वैशाख मास के शुक्लपक्ष में सोम यज्ञ का अनुष्ठान कराने को कहा था, जिसमें हलेष्ठि यज्ञ करने और सोमलता की बीजरोपण का विधान है। हलेष्ठि यज्ञ में सामान्य हल के स्थान पर सोने के छह हल का उपयोग किया जाता है और छह बैल उसे खींचते हैं। महाराज जनक ने हलेष्ठि यज्ञ के लिए सोने का हल बनवाया और चार बैलों के साथ स्वयं अपनी पत्नी सुनयना के साथ भूमि शोधन किया। इस यज्ञ अनुष्ठान में माता सीता भूमि चीर कर सोलह वर्ष की कन्या के रूप में प्रकट हुई। जिस तरह महाराज दशरथ के यहाँ प्रभु श्रीराम माता कौशल्या के समक्ष चर्तुभुज रूप में प्रकट हुए थे और बाद में माता कौशल्या के कहने पर उन्होंने शिशु लीला की थी। उसी तरह से धरती से सोलह वर्ष की कन्या के रूप में माता सीता के प्राक्ट्य से विस्मित महाराज जनक के कहने पर माता सीता ने नवजात कन्या का रूप धरा।

चतुर्थ दिवस कथा से पूर्व विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे लेखक एवं हिन्दुत्ववादी विचारक चक्रवर्ती सुलिबेले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिन्दू समाज से एकजुट एवं संगठित होकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जगद्गुरु रामभद्राचार्यजी ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया तथा श्रीराम परिवार की ओर से उनका सम्मान भी किया गया। आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण करते हुए गुरु चरणों की विरुदावलि की। इससे पूर्व गुरुवार को अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की चिरशांति के लिए प्रार्थना की गई। मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव, शोभा भल्ला, विजयलक्ष्मी रेड्डी, अजय-अंजू पाण्डेय परिवार, मीरा अग्रवाल, शारदा तलरेजा, संतोषी सिंघल, रचना अग्रवाल, रश्मि कर्णवाल, लक्ष्मी शर्मा, श्रीराम परिवार के कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष राकेश मिश्रा, पूरन पंडित, संतोष झा एवं बृजेश तिवारी आदि ने कथा पूजन में भाग लिया। कथा समाप्त होने पर आरती में स्वास्तिक सेवा संघ के अध्यक्ष सतीश मित्तल सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

रत्नवंश का क्रियोद्धार दिवस संघ समर्पण दिवस के रुप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट स्वाध्याय भवन में रत्नवंश का क्रियोद्धार दिवस संघ समर्पण दिवस के रुप में शुक्रवार को मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने श्रुतधर खण्ड में वर्णित चैत्यवासी परम्परा का वर्णन करते हुए रत्नवंश की सामाचारी पर प्रकाश किया। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि आज ही कि तिथि विक्रम संवत 1854 की आषाढ़ कृष्ण द्वितीया को रत्नवंश के प्रथम पट्टधर के रुप में आचार्यश्री गुमानचन्द्र म.सा ने अपने शिष्य रत्न रत्नचंद्र म.सा के सहयोग से राजस्थान की पावन धरा बडलु जिसे वर्तमान में भोपालगढ़ के रुप में जाना जाता हैं,उस पवन धरा में तेरह सन्तों के संग इक्कीस बोलों की मर्यादा रखते हुए क्रियोद्धार किया। जिन इक्कीस बोलों के साथ क्रियोद्धार किया गया,उन बोलों की सुश्रावक कवि विनयचन्द कुम्भट ने छन्द रुप में रचना की हैं।

इस पावन प्रसंग पर श्रावक संघ के उपाध्यक्ष गौतमचन्द मुणोत, कोषाध्यक्ष अम्बालाल कर्णावट, स्वाध्याय संघ जोधपुर के सहसंयोजक नवरतनमल बागमार, स्वाध्यायी कांतिलाल तातेड़, लीलमचन्द बागमार कमल चोरडिया, पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, रुपराज सेठिया, उच्छबराज गांग की सामायिक परिवेश में प्रमोदजन्य उपस्थिति रही। तीन मनोरथ चिंतन, जैन संकल्प व्रत-नियम- प्रत्याख्यान के पश्चात श्रमण भगवान महावीरस्वामी, आचार्य भगवन्तों,उपाध्याय भगवन्त, चरित्र आत्माओं की जयजयकार के संग क्रियोद्धार दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

वैश्विक स्टार्टअप परिवेश में बेंगलूरु 14वें स्थान पर, सात पायदान की छलांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्टार्टअप परिवेश मुहैया कराने के मामले में बेंगलूरु सात पायदान ऊपर चढ़कर दुनिया भर में 14वें स्थान पर पहुंच गया है जबकि इस सूची में सिलिकॉन वैली शीर्ष पर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। वैश्विक नवाचार परिवेश विकास संगठन 'स्टार्टअप जीनोम' की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका का सिलिकॉन वैली इस सूची में पहले स्थान पर है जबकि न्यूयॉर्क सिटी दूसरे, लंदन तीसरे और तेल अवीव चौथे स्थान पर है। 'वैश्विक स्टार्टअप परिवेश रिपोर्ट 2025' के मुताबिक, बेंगलूरु सात पायदान चढ़कर सूची में 14वें स्थान पर पहुंच गया है। बेंगलूरु की यह जबर्दस्त वृद्धि 2024 में एक अरब डॉलर से अधिक के चार प्रमुख सौदों से प्रेरित है, जिसमें स्विगी 12 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ सबसे आगे है। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री प्रियांक खरगे ने एक बयान में कहा कि बेंगलूरु की एक 'उभरते सितारे' से एक शीर्ष-स्तरीय 'वैश्विक स्टार्टअप हब' बनने तक की छलांग उसे पेरिस (12वें), फिलाडेल्फिया (13वें) और सिएटल (15वें) जैसे वैश्विक शहरों के साथ खड़ा करती है।

खरगे ने कहा कि इस उछाल के पीछे उच्च-मूल्य वाले सौदे, गहन प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) में जारी तेजी, आईटी क्षेत्र की निरंतरता, प्रगतिशील नीति एवं सार्वजनिक निवेश और एक असाधारण तकनीकी प्रतिभा आधार जैसे कारक शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बेंगलूरु अब एआई और बिग डेटा परिवेश के मामले में वैश्विक स्तर पर पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। स्टार्टअप जीनोम की यह रिपोर्ट 12 जून को पेरिस में यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक कार्यक्रम 'विवाटेक' में जारी की गई। इसमें 350 से अधिक शहरों में 50 लाख से अधिक कंपनियों के डेटा का विश्लेषण किया गया है।

कर्नाटक में 'ठग लाइफ' की रिलीज संबंधी याचिका पर राज्य सरकार से न्यायालय का जवाब तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' की राज्य के सिनेमाघरों में प्रदर्शन के विरुद्ध कथित धमकियों के मद्देनजर सुरक्षा की गुहार लगाई गई है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने हासन-अभिनीत और मणिरत्नम द्वारा निर्देशित तमिल फीचर फिल्म 'ठग लाइफ' की स्क्रीनिंग पर कर्नाटक में प्रतिबंध को चुनौती देने वाली एम. महेश रेड्डी की याचिका पर नोटिस जारी किया। इस मामले की सुनवाई मंगलवार को होगी। रेड्डी ने अधिवक्ता ए वेलन के जरिये दायर अपनी याचिका में दलील दी कि फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाने के बावजूद, राज्य सरकार ने मौखिक निर्देशों और पुलिस हस्तक्षेप के माध्यम से कथित तौर पर बिना किसी आधिकारिक निषेधाज्ञा या प्राथमिकी दर्ज किए सिनेमाघरों में इसके प्रदर्शन को रोका है। वेलन ने दलील दी कि राज्य सरकार द्वारा की गई ऐसी कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असंवैधानिक प्रतिबंध है। पीठ ने वेलन की दलील को रिकॉर्ड पर लिया और कहा, ''याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने दलील दी है कि सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित तमिल फीचर फिल्म 'ठग लाइफ' को कर्नाटक राज्य के सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं है। हिंसा की धमकी के तहत तथाकथित प्रतिबंध किसी कानूनी प्रक्रिया से नहीं, बल्कि सिनेमा हॉल के खिलाफ आगजनी की स्पष्ट धमकियों और भाषाई अल्पसंख्यकों को लक्षित करके बड़े पैमाने पर आतंक के एक जानबूझकर अभियान से उपजा है।''

तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी का वार्षिक समारोह 22-23 अगस्त को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी का वार्षिकोत्सव पिछली वर्ष की भांति इस वर्ष भी चेन्नै में आयोजित किया जाएगा। यह समारोह यहां प्रतिष्ठित महाविद्यालय गुरु नानक महाविद्यालय के साथ संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जायगा। इस अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भी आयोजन किया जाएगा। सेमिनार का विषय 'विश्व पटल पर हिंदी पत्रकारिता' रखा गया। यह निर्णय तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी और गुरु नानक महाविद्यालय के द्वारा आयोजित संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉक्टर निर्मला मौर्य (पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर) एवं अध्यक्ष-तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी ने की। इस बैठक में विशेष मार्गदर्शन डॉक्टर स्वाति पालीवाल(डीन एवं हिंदी विभाग अध्यक्ष हिंदी गुरु नानक कॉलेज ने प्रदान किया। बैठक में गुरु नानक महाविद्यालय के सचिव सह कॉरोस्पॉडेंट मनजीत सिंह नायर ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अग्रिम शुभकामना दी। गुरु नानक कॉलेज की पूर्व प्राचार्या और वर्तमान सलाहकार मर्लिन मोराइस ने भी अपनी शुभकामनाएँ दीं।

बैठक में तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी के महासचिव और साहित्यकार ईश्वर करुण ने आगामी 'वार्षिक समारोह' की रूपरेखा प्रस्तुत की। उस पर विस्तार से विचार-विमर्श के बाद विभिन्न निर्णय लिए गए। बैठक में सम्मिलित होने वाले में अन्य विद्वानों में रमेश गुप्त नीरद, पार्वती, प्रणव तिवारी, डॉक्टर गुरुमूर्ति, डॉक्टर गुड़िया चौधरी, डॉक्टर अनिता पाटिल, रेखा शर्मा, डॉक्टर डॉली, पद्मजा, निधि शुक्ला, डॉ सुनीता जाजोदिया, कुमुद वार्ष्णेय, श्रीदेवी, सरला और डॉ हुसैन वली थे।

बैठक में कोषाध्यक्ष का दायित्व प्रणव तिवारी को दिया गया। बैठक के बाद अकादमी के द्वारा गुरु नानक महाविद्यालय के सचिव सह कॉरेस्पोंडेंस श्रीमनजीत नायर का सम्मान अंग वस्त्रम ओढ़ाकर ईश्वर करुण, महासचिव और डॉ. निर्मला मौर्य, अध्यक्ष ने किया। डॉ. स्वाति पालीवाल और डॉ. मर्लिन मोराइस को भी अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया।

आचार्य विजयप्रभाकरसूरी चातुर्मास एवं नूतन भवन उद्घाटन की तैयारी बैठकें शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट संघ में आचार्यश्री विजयप्रभाकर सूरीश्वरजी एवं साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी का आगामी चातुर्मास प्रवेश व नए आराधना भवन का उद्घाटन 7 जुलाई को आचार्यश्री की निश्रा में होगा, जिसकी तैयारियों हेतु शुक्रवार को स्फटिक चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चैरिटेबल ट्रस्ट महालक्ष्मी लेआउट के तत्वावधान में महिला मंडल की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें महिला सदस्याओं को जिम्मेदारियां दी गई और अलग अलग समूह बनाए गए। संघ के अध्यक्ष नरेश बंबोरी ने चातुर्मास प्रवेश व उद्घाटन की पूरी रूप रेखा बताई और धनंजय गुरुजी ने सभी समूहों को जिम्मेदारियां सौंपी। अंत में नरेश बम्बोरी ने महिलाओं को धन्यवाद दिया।

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में आयोजित धम्म जागरण में गूंजे भिक्षु के गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथी सभा यशवंतपुर द्वारा जयेष्ठ शुक्ल तेरस को तेरापंथ के प्रथम आचार्यश्री भिक्षु की मासिक पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में भिक्षु धम्म जागरण का आयोजन तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में किया गया। धम्म जागरण में मुख्य गायक के रूप में प्रज्ञा संगीत सुधा भजन मंडली के सदस्यों ने भिक्षु भक्ति गीतों का गायन करके श्रध्दामय समा बांधा। इस अवसर पर मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि आचार्य श्री भिक्षु ने सत्य साधना के लिए सुख-सुविधाओं का त्याग किया। तेरापंथ नामक धर्म क्रांति का सूत्रपात हुआ। तेरापंथ धर्मसंघ को एक संगठित व सुव्यवस्थित संघ बनाने हेतु उन्होंने संघीय मर्यादाओं का निर्माण किया।

मुनिश्री ने आगे कहा, आचार्य भिक्षु ने तेरापंथ में एक गुरु और एक विधान का उद्घोष दिया, जिसे 300 वर्षों से अखण्डता से पालन किया जा रहा है।

धम्मजागरण में मुनि आदित्य कुमार जी तथा बाल कलाकार गायक हर्षिल बरड़िया ने गीत प्रस्तुत किया। प्रज्ञा संगीत सुधा मंडली के ललित सेठिया, गगन बरड़िया, जितेंद्र धोका, यश सेठिया आदित्य मांडोत, प्रदीप चोपड़ा, सौरभ चावत, कुशाल बैद, नवीन बरड़िया आदि ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया व मंत्री अनिल दक ने भजन मंडली का सम्मान किया।

जेबीएन वी-प्रेन्योर्स व जीतो साउथ लेडीज विंग की पहली रेफरल बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स व जीतो साउथ लेडीज विंग की पहली रेफरल बैठक जीतो कार्यालय में गुरुवार को हुई, जिसमें 30 से अधिक महिला उद्यमियों ने भाग लिया। निधि पालरेचा जेएलडब्लू की मुख्य सचिव ने नई लीडरशिप टीम का परिचय कराया। जेएलडब्लू बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा कि आज की नारी केवल व्यवसाय चला ही नहीं रही है, बल्कि दूसरों को प्रेरित भी कर रही है और ऐसे मंच उनके आत्मबल और पहचान को और मजबूती प्रदान करते हैं। यह मंच केवल रेफरल तक सीमित नहीं है, यह वह स्थान है जहाँ हर महिला को पहचान, सहयोग और आत्मबल मिलता है। इस बैठक में केकेजी जोन के सहसंयोजक विकास नागोरी और प्रज्ज्वल गिरिया ने व्यापारिक विकास, नेटवर्किंग और सहयोग की अहमियत पर बहुत उपयोगी जानकारी साझा की। हर सदस्या को अपने व्यवसाय का 30 सेकंड में संक्षिप्त परिचय देने का अवसर दिया गया। रेफरल हेड निशा कोठारी, रेफरल लीड राजुल धोका और रेफरल सेक्रेटरी सलोनी नेतानी ने आगे की गतिविधियों की जानकारी दी। उपाध्यक्ष नीलम शांड ने भी शुभकामनाएं दी।

वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर स्थित मुत्तिना तेने सोशल मत्तु कल्चरल ट्रस्ट द्वारा आयोजित तीसरे वार्षिकोत्सव में आश्रम के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत और ट्रस्टी हेमा ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.